शर्मा शर्डउवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 102 | गुवाहाटी | शनिवार, 14 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का अलर्ट , उत्तर-पश्चिम भारत में ... पेज 2

लखीमपुर में कृषि परियोजनाओं का निरीक्षण, किसानों का पंजीकरण... पेज 3

विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था ... पेज 5

सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वार्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को... पेज 7

काजीरंगा में ट्रक और ट्रैवलर की टक्कर, 23 लोगों की मौत, कई घायल



गुवाहाटी। असम के काजीरंगा के पास रोंगाजन से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रक और ट्रैवलर के बीच हुई टक्कर में 23 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जान गवाने वाले 23 लोगों में से अब तक आठ की पहचान हो चुकी है। मृतकों की पहचान दर्शना माझी, ज्योति माझी, अनुराग गोवाला, दीपांजलि रोंगहापी, दामिनी घटोवाल और बेबी कर्मकार के रूप में हुई है। ट्रैवलर वाहन का चालक माजिद और खलासी सुभाष भी मृतकों में शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रैवलर के अनियंत्रित होने से यह हादसा हुआ। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने बताया कि हमें शुरुआती रिपोर्ट मिली है कि इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं और बस से शव निकाले जा रहे हैं, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। घायलों को इलाज के लिए कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। गोलाघाट जिले के जिला आयुक्त बिस्वजीत फुकन ने बताया कि असम के गोलाघाट जिले में काजीरंगा के पास रोंगाजान इलाके में हुए एक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया है। अभी और जानकारी का इंतजार है। दरअसल, शुक्रवार दोपहर काजीरंगा के पास एक नेशनल हाईवे पर लगभग 40 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रैवलर की एक ट्रेलर ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। ट्रैवलर ऊपरी असम के जोरहाट से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। यह हादसा नेशनल हाईवे 715 पर कोहोरा रेंज में हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन में हुआ। सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्ननील डेका ने कहा कि अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया, तुरंत राहत कार्य शुरू करने के दिए निर्देश



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को काजीरंगा में हुए भीषण हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं, जिन्होंने अपने अपनों को खो दिया है। इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कोई भी शब्द उनके दर्द को कम नहीं कर सकता, फिर भी दुख की इस घड़ी में सरकार और असम की जनता उनके साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री, जो अभी विश्वनाथ जिले के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं, स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। वे गोलाघाट के जिला आयुक्त और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा के साथ समन्वय कर रहे हैं। अतुल बोरा घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने खुद राहत एवं बचाव कार्यों की देखरेख की। शर्मा ने शिक्षा मंत्री रोनोज पेगू को भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचने और हर संभव मदद उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है ताकि घायलों को तुरंत और सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने हादसे से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए भी कहा है। शर्मा ने घायलों के -शेष पृष्ठ दो पर

दिव्या, विदित, तेजस्विन, त्रिशा समेत 17 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत



नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर तथा बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत किया गया। फुटबॉल खिलाड़ी इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। वहीं, तीन प्रशिक्षकों को नियमित श्रेणी और दो प्रशिक्षकों को लाइफटाइम श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना के पैरा खेल केंद्र पुणे को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उग्रवादियों ने दो कारों पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत चार की मौत



इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर *न्यू हेवन* इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं। इससे पहले कांगपोकपी के तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेजंग के पास के इलाके में दो विरोधी गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान 42 वर्षीय एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दो पुरुष घायल हो गए। मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

योग बना भारत की वैश्विक पहचान का प्रवेश द्वार आयुर्वेद के प्रति भी बढ़ा दुनिया का भरोसा : प्रधानमंत्री



बेंगलुरु (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि योग आज भारत की वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। दुनिया योग के जरिए भारत की सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और जीवन दर्शन को समझ रही है। योग के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ आयुर्वेद की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है। विदेशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति दुनिया के बढ़ते वश्वास का प्रमाण है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को बेंगलुरु के जिगनी स्थित प्रशांति कुटीरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यासा) विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वरिष्ठ विचारक एच.वी. शेषाद्रि की जन्मशताब्दी स्मरणोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के गोल्डन जुबली एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक की आधारशिला रखी और केरल के तिरुवनंतपुरम में एस-व्यासा के ऑफ-कैंपस केंद्र का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग साधना और आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रही है। स्वामी विवेकानंद ने गुलामी के दौर में भारतीय युवाओं को योग और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया था। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ी योग की परंपरा आज दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच रही -शेष पृष्ठ दो पर

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

सुप्रभात

हमारा कर्तव्य हैं की हम हर उस व्यक्ति का होंसला बढ़ाए, जो अपने ऊंचे विचारों पर जीवन व्यतीत करने के लिए संग्रह कर रहा है।

- स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

मनीला में क्वाड नेताओं की बैठक 17 को

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी फिलीपींस यात्रा के दौरान भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बने हिंद-प्रशांत से जुड़े चार देशों के समूह क्वाड के शीर्ष नेताओं की -शेष पृष्ठ दो पर

कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों पर सरकार सख्त, ज्यादा पैसे वसूलने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (हि.स.)। कैंसर मरीजों को राहत देने के लिए सरकार ने 137 कैंसर की दवाओं की कीमतों पर निगरानी बढ़ा दी है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को निर्देश दिए हैं कि वे दवा कंपनियों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों में नई कीमतों का पालन सुनिश्चित करें। इन दवाओं की नई कीमतें 9 नवंबर से लागू हो चुकी हैं। अब दवा कंपनियों, दुकानदारों और अस्पतालों को तय कीमत पर ही दवाएं बेचनी होंगी। साथ ही अपनी दुकानों और वेबसाइटों पर नई कीमतों की सूची भी लगानी होगी। प्राधिकरण ने साफ किया -शेष पृष्ठ दो पर

आंध्र प्रदेश में तीन लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं पर काम चालू, राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना : गडकरी



विशाखापत्तनम (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में करीब तीन लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है या उन्हें प्रस्तावित किया गया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क 2014 के 4,100 किलोमीटर से बढ़कर 2026 में 8,700 किलोमीटर हो गया है। राज्य में 60 हजार करोड़ रुपए की लागत से 4,750 किलोमीटर की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि एक लाख करोड़ रुपए की 2,500 किलोमीटर की परियोजनाओं पर काम जारी है। इसके अलावा 1.20 लाख करोड़ रुपए की लागत से 4,600 किलोमीटर सड़कों के उन्नयन का काम चल रहा है। गडकरी ने शुक्रवार को यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 31वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर सड़क बुनियादी ढांचे से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में ग्रीनफील्ड -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन पर प्रतिबंध पांच साल बढ़ाया



नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने देश में भगोड़ा करार विवादित इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। मौजूदा प्रतिबंध की अवधि 14 नवंबर 2026 को समाप्त हो रही थी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी की। इसके तहत आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है। गृह मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा फोन टैप हो रहा है : राहुल गांधी का दावा



नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक बड़ा दावा किया है। राहुल गांधी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा कि उनके फोन में ऐसे सबूत मौजूद हैं, जिनके बारे में प्रधानमंत्री को भी जानकारी है, क्योंकि वह उनका फोन टैप करते हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री को आमने-सामने बहस की चुनौती भी दी है। राहुल गांधी ने कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री उनके साथ वन-ऑन-वन डिबेट के लिए आएंगे, उस दिन सबको पता चल जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी है। उन्होंने दावा किया कि उनके फोन में इस संबंध में कई जानकारियां और सबूत मौजूद हैं। राहुल गांधी ने -शेष पृष्ठ दो पर

75वें प्लेटिनम जुबली समारोह के लिए उल्टी गिनती शुरू

कार्बी आंग्लांग की सांस्कृतिक विरासत का विश्व मंच पर होगा भव्य प्रदर्शन





डिफू। असम के पहाड़ी जिले कार्बी आंग्लांग में इतिहास रचने की एक अभूतपूर्व तैयारी चल रही है। इस मौके पर केएएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (एचसीईएम) डॉ. तुलिराम रोंगहांग ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास के लिए 15,000 कलाकारों द्वारा की जा रही रिहर्सल का जायजा लिया। डॉ. रोंगहांग ने कहा कि यह प्रयास केवल विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं है, बल्कि हमारी कार्बी संस्कृति और हमारी पहचान को विश्व पटल पर ले जाने के लिए है। उन्होंने कार्बी आंग्लांग के सभी नागरिकों से अपील की कि वे आगे आएं, इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनें और 75वें कार्बी आंग्लांग दिवस को एक बड़ी सफलता बनाएं। मालूम हो कि यह तीन दिवसीय भव्य समारोह 15 नवंबर से 17 नवंबर 2026 तक कार्बी पीपुल्स हॉल, तरालांगसो में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन का मुख्य आकर्षण 16 नवंबर 2026 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का अलर्ट उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश के आसार

नई दिल्ली (हि.स.)। देश भर में बदलते मौसम के कारण एक तरफ जहां अलग-अलग क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर में दिन-ब-दिन धुंध और कोहरा बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र के एक *चक्रवाती तूफान* में तब्दील होकर और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को कुछ बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह के समय अधिकतर जगहों पर हल्का कोहरा रहने की संभावना है। यहां का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियसलय और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। रविवार को बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह धुंध रहने के साथ-साथ, दोपहर से पहले कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत हल्की बारिश होने का अनुमान है। इस दिन का अधिकतम तापमान भी 26-28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। वहीं, सोमवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सुबह के समय हल्का कोहरा छाने के आसार हैं। आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र 14 नवंबर को *सुस्पष्ट कम दबाव* में बदल सकता है। इसके बाद इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 16 नवंबर की शाम के आसपास मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक *चक्रवाती तूफान* में और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है। रविवार को उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर शुरू होने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में अगले दो दिनों तक हल्की वर्षा होने का अनुमान है। 14 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में, 14-15 नवंबर को पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तथा 15 नवंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। 14 नवंबर को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में और 14-15 नवंबर को पश्चिमी राजस्थान में 40-60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 14-19 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में व्यापक बारिश तथा 14-16 नवंबर के बीच भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 18-19 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कुछ स्थानों पर बारिश तथा ओडिशा में भारी बारिश होने की संभावना है। 14-17 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आंधी-तूफान के साथ 40-60 किमी प्रति घंटा की गति से तेज हवाएं चल सकती हैं।

श्रीभूमि में युवक ने की दो भाइयों की हत्या, मां-पिता और एक अन्य भाई की हालत गंभीर, गिरफ्तार

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि जिलांतर्गत दक्षिण करीमगंज विधानसभा क्षेत्र के निलामबाजार इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक युवक ने कथित तौर पर बीती देर रात अपने ही परिवार पर जानलेवा हमला कर दो भाइयों की हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि हमले में मां -पिता और एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तीनों की हालत नाजुक बताई जा रही है। आरोपी की पहचान फारूक अहमद के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपने परिवार के सदस्यों पर बेरहमी से हमला किया, जिसमें उसके दो भाइयों और पिता की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मां-पिता एवं भाई को उन्नत इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस के आलाधिकारी एवं फॉरेंसिक टीम पहुंचकर सुबह जांच-पड़ताल आरंभ किया। इस बीच पुलिस टीम ने अभियान चलाकर मुख्य आरोपी फारूक अहमद को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल इस जघन्य हत्याकांड के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शोणितपुर में मामूली विवाद में दोस्त ने की युवक की हत्या

शोणितपुर (हिंस)। असम के शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा स्थित फूलबाड़ी चाय बागान में मामूली विवाद के बाद एक युवक की उसके ही दोस्त ने कथित तौर पर हत्या कर दी। घटना चाय बागान की श्रमिक लाइन संख्या 13 में बीती देर रात को हुई, जिसका खुलासा शुक्रवार को हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रंगापाड़ा थाना क्षेत्र के फुलबाड़ी चाय बागान के 13 नंबर श्रमिक लाइन में गुरुवार की देर शाम अमर राउतिया उर्फ कामिल और लादरुस इंदुवार के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया। आरोप है कि इस दौरान अमर राउतिया ने लाडरुस के साथ मारपीट की। विवाद के बीच गुस्से में आकर लाडरुज ने लकड़ी के पीढ़ा (लकड़ी का छोटा स्टूल) से अमर राउतिया के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण अमर जमीन पर गिर पड़ा और अंततः उसकी मौत हो गई। घटना के बाद फुलबाड़ी चाय बागान सहित आसपास के क्षेत्रों में तनाव एवं सनसनी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रंगापाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी लाडरुज इंदुवार को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

बिश्वनाथ-गोहपुर सड़क के कायाकल्प को मुख्यमंत्री ने बताया प्रगति का प्रतीक



गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को बिश्वनाथ-गोहपुर संपर्क सड़क के बदले हुए स्वरूप को राज्य में विकास और बेहतर सड़क संपर्क का प्रतीक बताया। उन्होंने वर्ष 2014 से पहले इस सड़क की खराब स्थिति को याद करते हुए कहा कि अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए बिश्वनाथ-गोहपुर सड़क के नए स्वरूप की तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान स्थिति देखकर उन्हें पुराने दिन याद आ गए, जब वर्ष 2014 से पहले सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए गोहपुर जाते समय उन्होंने इस मार्ग की बदहाल स्थिति देखी थी। उन्होंने कहा कि वे दिन अब पीछे छूट चुके हैं। राज्य की जनता को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। डॉ. शर्मा ने भरोसा दिलाया कि असम की डबल इंजन सरकार लोगों को बेहतर सड़क संपर्क और आधुनिक परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने प्रयास जारी रखेगी। उधर असम के लखीमपुर जिले के बोगीनदी इलाके सें शुक्रवार सुबह से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान प्रशासन द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रह रहे 132 परिवारों को बेदखल किया जा रहा है। प्रशासन ने इस अभियान के तहत कुल 320 हेक्टेयर सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शुक्रवार सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई के दौरान प्रशासन की टीम ने अवैध कब्जे वाले इलाकों को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की।

उदयनिधि स्टालिन की चुनावी जीत के खिलाफ दायर याचिका पर जारी रहेगी सुनवाई : हाईकोर्ट



चेन्नई (हि.स.)। मद्रास उच्च न्यायालय ने विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दायर चुनाव याचिका को निरस्त करने की मांग की थी। न्यायाधीश ने उदयनिधि स्टालिन को चुनाव याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। पिछले विधानसभा चुनाव में चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र से डीएमके की ओर से चुनाव लड़ने वाले उदयनिधि स्टालिन को विजयी घोषित किया गया था। उनकी चुनावी जीत को चुनौती देते हुए इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले मिलानी नामक व्यक्ति ने मद्रास उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दायर की थी। इस चुनाव याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए उदयनिधि स्टालिन की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान उदयनिधि की ओर से दलील दी गई कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार निर्धारित 45 दिनों की समयसीमा के भीतर चुनाव याचिका दाखिल नहीं की गई है। इसलिए इसे खारिज किया जाना चाहिए। वहीं, चुनाव याचिका दाखिल करने वाले मिलानी की ओर से दलील दी गई कि चुनाव याचिका निर्धारित समयसीमा के भीतर ही दाखिल की गई है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री विभाग ने इसे स्वीकार कर क्रमांक भी आवंटित कर दिया है। इसलिए इस मामले में पूरी सुनवाई की जानी चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने उदयनिधि स्टालिन की ओर से दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ट्रक में लगी आग, 40 लाख रुपए का सामान जलकर राख

शोणितपुर (हिंस)। जिले के रंगापाड़ा में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में अचानक लगी आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी फैल गयी। बताया गया है कि सड़क किनारे सामान से लदे ट्रक (एएस-09एसी-2453) में बीती देर रात अचानक आग लग गई। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि आग लगने की वजह तकनीकी खराबी हो सकती है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि साप्ताहिक बाजार में सामान पहुंचाने के लिए ट्रक में देर रात सामान लोड कर उसे रंगापाड़ा की सड़क पर खड़ा किया गया था। इसी दौरान अचानक ट्रक में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही रंगापाड़ा पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझाने में सफलता मिलने के बावजूद ट्रक में लदा करीब 40 लाख रुपए मूल्य का सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना के कारण इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। उधर असम के तिनसुकिया जिले के धला स्थित बोकापथार इलाके में भीषण आग लगने से एक गैरेज और आसपास की कई दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित एक गैरेज में सबसे पहले आग लगी।

पृष्ठ एक का शेष

काजीरंगा में ट्रक ...

डीसी बिस्वजीत फुकन ने बताया कि बाकी सात लोगों को जोरहाट भेजा गया है, लेकिन अभी उनकी स्थिति के बारे में पक्की जानकारी नहीं मिल पाई है। घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हमारे पास अभी महिलाओं और पुरुषों की सटीक संख्या नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 सीटों की क्षमता वाले ट्रैवलर वाहन में हादसे के समय 35 से अधिक यात्री सवार थे। इससे वाहन में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाए जाने की बात सामने आई है। बताया गया है कि इस ट्रैवलर वाहन पर पहले भी यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया जा चुका था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, वाहन ने यातायात के आठ नियमों का उल्लंघन किया था और इसे 62 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चलाया जा रहा था। इस बीच, हादसे में घायल 10 लोगों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस भीषण दुर्घटना ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने हादसे में ...

जल्द स्वस्थ होने की कामना की है और पीड़ित परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति और साहस देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री कल स्थिति का जायजा लेने के लिए गोलाघाट जिले का दौरा करेंगे। इस बीच, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में हुई आमने-सामने की टक्कर पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई है। हादसे के कुछ ही मिनटों बाद मौके पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि प्रशासन ने मुझे बताया है कि इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। मिनी-बस को हुए नुकसान को देखकर लगता है कि वह बहुत तेज रफ्तार में थी। इस दुखद घटना पर बोलते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक तरंग गोगोई ने इसे राज्य के लिए अत्यंत पीड़ादायक बताया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए - जिसमें खबरों के अनुसार 25 से 26 लोगों की मौत हुई है - उन्होंने कमर्शियल ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों से विशेष अपील की है। यह असम के लिए बेहद दुखद खबर है। कोई भी कभी ऐसी दुर्घटना की उम्मीद नहीं करता। फिर भी, यह हादसा हो गया है और खबरों के अनुसार, 25 से 26 लोगों की जान चली गई है। यह एक अत्यंत पीड़ादायक घटना है... मैं कमर्शियल ट्रकों और बसों के सभी ड्राइवरों से अपील करता हूं कि वे अपनी गाड़ी की गति का ध्यान रखें। इस मामले में, न केवल ड्राइवर की अपनी जान गई, बल्कि उसने 25 अन्य लोगों की भी जान ले ली। हम सभी को जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए और तय गति सीमा का पालन करना चाहिए, तरंग गोगोई ने को बताया। लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए भाजपा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा ने शोक व्यक्त किया और जोरहाट मेडिकल कॉलेज में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात की। तासा ने पत्रकारों से कहा कि यह वाकई बहुत भयानक है। सड़क दुर्घटनाएं बहुत ज्यादा हो रही हैं। सरकार ने बहुत सख्त नियम लागू किए हैं, जिनमें स्पीड लिमिट तय करना और काजीरंगा इलाके सहित सड़कों पर इंटरसेप्टर वाहन तैनात करना शामिल है। यह घटना कैसे हुई, इसका पता शुरुआती जांच से ही चलेगा; अभी मेरे पास पूरी जानकारी नहीं है। जैसे ही मुझे दुर्घटना के बारे में पता चला, मैं तुरंत जोरहाट मेडिकल कॉलेज पहुंच गया। मैं देख सकता हूं कि मेडिकल टीम स्थिति को अच्छे से संभाल रही है, और पीड़ितों के परिवार वाले भी वहां मौजूद हैं। इस दुखद घटना ने राजमार्गों के रखरखाव को लेकर एक तीखी राजनीतिक बहस छेड़ दी है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने राज्य के परिवहन बुनियादी ढांचे की कड़ी आलोचना की और राजमार्गों पर बार-बार होने वाली मौतों को व्यवस्थागत खामियों और निगरानी में विफलता से जोड़ा। गोगोई ने बताया कि असम के राजमार्ग भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। निर्माण की गुणवत्ता इतनी खराब है कि हर महीने दुर्घटनाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि भारत सरकार टोल क्यों वसूल रही है और राजमार्गों का ठीक से रखरखाव क्यों नहीं कर रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसे पूरी तरह से टाला जा सकता था, लेकिन ऐसा सिर्फ भ्रष्टाचार, ठेकेदारों के लालच और राजनेताओं के साथ उनकी मिलीभगत के कारण हो रहा है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को असम के गोलाघाट जिले में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास रोंगाजान इलाके में एक यात्री वाहन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर के बाद कई लोगों की मौत की आशंका जताई गई थी। शुक्रवार को असम के गोलाघाट जिले में एक यात्री वाहन और कंटेनर ट्रक की भीषण टक्कर में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुखद घटना काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास रोंगाजान इलाके में हुई। राज्य मंत्री और बोकाखाट के विधायक अतुल बोरा, जो बचाव और राहत कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंचे थे, उन्होंने फोन पर हताहतों और चिकित्सा सहायता के बारे में जानकारी दी। बोरा ने बताया कि इस हादसे में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, और 11 घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा गया है। उन्होंने आगे बताया कि हादसे में बचे अन्य लोगों को इलाज के लिए बोकाखाट सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि हादसे में कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया है।

दिव्या, विदित, तेजस्विन...

कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार और मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति से यह पुरस्कार ग्रहण किया। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, एथलीट मुहम्मद अजमल वी. और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को यह सम्मान मिला। इनके अलावा पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत और रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह और निशानेबाज अखिल श्योराण भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए गए। दिव्या देशमुख ने वर्ष 2025 में फिडे महिला विश्व कप जीतकर यह खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया था। इससे पहले वह वर्ष 2024 में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के साथ स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने इसी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी हासिल किया था। विदित गुजराती वर्ष 2024 में 45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे। उन्होंने वर्ष 2023 में फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट भी जीता था। तेजस्विन शंकर ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में डेकाथलॉन स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। वर्ष 2025 की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने डेकाथलॉन में रजत पदक जीता। मोहम्मद अजमल वी. वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण और मिश्रित रिले में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रियंका गोस्वामी ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में 10 किलोमीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता था। बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने वर्ष 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। दोनों ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत और महिला युगल में कांस्य पदक हासिल किया था। हालांकि, जापान मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के कारण दोनों खिलाड़ी पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सकीं। हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे। लालरेमसियामी ने भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत और पूजा ने भी वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। पैरा खेलों में धनुष श्रीकांत ने वर्ष 2024 की विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल की व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते थे। रुद्रांश खंडेलवाल ने वर्ष 2023 के एशियाई पैरा खेलों और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किए थे। एकता भ्यान ने वर्ष 2024 की विश्व चैंपियनशिप में क्लब थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह ने वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल किया था। निशानेबाज अखिल श्योराण ने वर्ष 2023 की विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पदक जीते थे। वर्ष 1962 के एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय फुटबॉल टीम के सदस्य इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। उन्होंने वर्ष 1964 में एएफसी एशियाई कप में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी प्रतिनिधित्व किया था। द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाले प्रशिक्षकों में परवीर सिंह ने एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर और अन्नू रानी को प्रशिक्षण दिया है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने ...

इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। इधर, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में कुकी समुदाय की एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठन ने जिले में 48 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया है। संगठन ने सरकार से जिले से सभी सुरक्षाबलों को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि सुरक्षाबल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं।

योग बना भारत की ...

है। कतर के शाही परिवार सहित अनेक देशों के लोग भारतीय योग पद्धति से जुड़ रहे हैं। दुनिया के बड़े नेताओं और उनके परिवारों में भी योग का अभ्यास बढ़ रहा है। इससे भारत के प्रति वैश्विक आकर्षण और आत्मीयता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विभिन्न देशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। मोदी ने शेषाद्रि को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन व्यक्ति निर्माण और राष्ट्र निर्माण के मिशन को समर्पित कर दिया। वे समझते थे कि किसी देश को सफलता के शिखर तक पहुंचाने के लिए समर्पित, सक्षम और अनुशासित नागरिकों की आवश्यकता होती है। ऐसे नागरिकों के निर्माण के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया। उनका व्यक्तित्व विशाल था, लेकिन व्यवहार अत्यंत विनम्र और सहज था। वे स्वयं पीछे रहकर दूसरों को आगे बढ़ाने और लोगों को राष्ट्रकार्य से जोड़ने में वश्वास करते थे। उन्होंने कहा कि शेषाद्रि जी समाज सेवा को मां की नि:स्वार्थ सेवा के समान मानते थे। जिस तरह मां अपने बच्चे की देखभाल बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा के करती है, उसी भावना से समाज की सेवा होनी चाहिए। उन्होंने अपने जीवन में इस विचार को व्यवहार में उतारा। प्रधानमंत्री ने उनके साथ अपने आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका स्नेह और मार्गदर्शन आज भी स्मृतियों में जीवंत है। प्रधानमंत्री ने प्रशांति कुटीरम की पांच दशक की यात्रा को सेवा, साधना और समर्पण की प्रेरक गाथा बताया। उन्होंने कहा कि पांच दशक पहले शुरू हुआ एक साधारण योग केंद्र आज बड़े शैक्षणिक, अनुसंधान और स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित हो चुका है। यहां योग के प्रभावों का आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर अध्ययन किया जा रहा है। संस्थान ने योग प्रशिक्षकों, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं की ऐसी पीढ़ी तैयार की है, जो देश-विदेश में मानवता की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि योग के साथ आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को जोड़कर यहां स्वास्थ्य की व्यापक अवधारणा विकसित की गई है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के समाधान के लिए भी संस्थान महत्वपूर्ण अनुसंधान कर रहा है। वर्ष 1975 में स्थापित एस-व्यासा ने योग शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एच.वी. शेषाद्रि के जीवन को भगवद्गीता में वर्णित सात्त्विक कर्मयोग का साक्षात उदाहरण बताया।

कैंसर की 137 दवाओं की...

है कि अगर कोई दुकानदार या कंपनी तय कीमत से ज्यादा पैसे वसूलती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसका मकसद कैंसर मरीजों को दवाएं सही और कम कीमत पर उपलब्ध कराना है। दवाओं की ज्यादा कीमत वसूलने, कमी या उपलब्ध नहीं होने की शिकायत मरीज फार्मा सही दाम ऐप या पोर्टल पर कर सकते हैं। इसके अलावा 1800-111-255 हेल्पलाइन नंबर और वेबसाईट पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्राधिकरण ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को 16 नवंबर 2026 तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं।

आंध्र प्रदेश में तीन लाख ...

कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे, बंदरगाह संपर्क मार्ग, रिंग रोड और बाईपास विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 14 हजार करोड़ रुपए की लागत से बन रहे 340 किलोमीटर लंबे बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा कॉरिडोर का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे दूरी करीब 210 किलोमीटर कम होगी और यात्रा का समय 12 घंटे से घटकर चार घंटे रह जाएगा। वहीं, 16 हजार करोड़ रुपए की लागत वाले 460 किलोमीटर लंबे रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर का 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बनने से यात्रा का समय 13 घंटे से घटकर पांच घंटे रह जाएगा और छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा को विशाखापत्तनम बंदरगाह से बेहतर संपर्क मिलेगा। हैदराबाद-विजयवाड़ा-मछलीपट्टनम राजमार्ग को 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से 286 किलोमीटर तक छह लेन का बनाया जाएगा। परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति की मंजूरी मिल चुकी है और मंत्रिमंडल की मंजूरी का इंतजार है। इसके पूरा होने पर हैदराबाद से विजयवाड़ा की यात्रा का समय साढ़े चार घंटे से घटकर ढाई घंटे रह जाएगा।

केंद्र ने जाकिर नाइक के ...

गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण के तहत यह फैसला लिया गया है। जाकिर नाइक के नेतृत्व वाला संगठन सांप्रदायिक नफरत भड़काने और आतंकवाद को बढ़ावा देने सहित भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार ने इससे पहले 17 नवंबर 2016 और 15 नवंबर 2021 को आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित किया था। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गठित न्यायाधिकरण ने भी इन प्रतिबंधों की पुष्टि की थी। मौजूदा प्रतिबंध की अवधि 14 नवंबर 2026 को समाप्त हो रही थी। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि सरकार की राय में आईआरएफ और उसके सदस्य, विशेष रूप से संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. जाकिर अब्दुल करीम नाइक, धार्मिक आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य और घृणा फैलाने को बढ़ावा देते रहे हैं। जाकिर नाइक के भाषणों और बयानों के जरिए विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य और नफरत को बढ़ावा दिया गया। इन भाषणों के माध्यम से भारत और विदेशों में एक विशेष धर्म के युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रेरित किया गया। अधिसूचना में कहा गया कि संगठन की गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई तो वह अपने फरार कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित कर सकता है, सांप्रदायिक वैमनस्य फैला सकता है और अलगाववाद को बढ़ावा दे सकता है। सरकार ने यूएपीए की धारा 3 की उपधारा (1) और (3) के तहत आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित करते हुए प्रतिबंध की अवधि पांच साल निर्धारित की है।

मेरा फोन टैप हो...

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा कि सबूत यहीं हैं। इस फोन में हैं। प्रधानमंत्री को पता है, क्योंकि वह मेरा फोन टैप करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जब आमने-सामने बहस के लिए आएंगे, तब सबको पता चल जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी है। राहुल ने अपने बयान में यह भी कहा कि उनके पास इस बात की जानकारी है कि कौन कब से देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है और उनके फोन में इससे जुड़ी कई अन्य जानकारियां भी मौजूद हैं। फोन टैपिंग और विदेशी ताकतों के नियंत्रण से जुड़े आरोप राहुल गांधी पहले भी लगाते रहे हैं। जुलाई 2021 में पेगासस जासूसी विवाद के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि उनके सभी फोन टैप किए जा रहे हैं। 23 जुलाई 2021 को संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा था कि उनका फोन स्पष्ट रूप से टैप किया जा रहा है और वह सिर्फ एक फोन की नहीं, बल्कि अपने सभी फोन की बात कर रहे हैं। राहुल ने यह भी दावा किया था कि इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी उन्हें फोन करके बताते हैं कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि उनके सुरक्षा कर्मियों को भी उनकी बातचीत की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देने के लिए कहा गया है।

कार्बी आंग्लांग की सांस्कृतिक...

को डिफू स्थित कार्बी आंग्लांग स्पोर्ट्स एसोसिएशन (केएएसए) स्टेडियम में होने वाला 15,000 जनजातीय कलाकारों का विशाल सामूहिक नृत्य प्रदर्शन

काजीरंगा-जोरहाट मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर घोषित

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा के रंगाजन में हुए भीषण सड़क हादसे के घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रशासन ने काजीरंगा-जोरहाट मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर घोषित किया। प्रशासन ने यह व्यवस्था घायलों को तत्काल जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएमसीएच) पहुंचाने के उद्देश्य से की है, ताकि उन्हें समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके तहत मार्ग पर एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रशासन का प्रयास है कि गंभीर रूप से घायल लोगों को बिना किसी देरी के अस्पताल पहुंचाकर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

लखीमपुर में कृषि परियोजनाओं का निरीक्षण, किसानों का पंजीकरण 15 जनवरी तक पूरा करने का निर्देश

लखीमपुर (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को लखीमपुर जिले का व्यापक दौरा कर विभिन्न कृषि परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को किसानों का शत-प्रतिशत पंजीकरण 15 जनवरी तक पूरा करने का निर्देश दिया। दौरे की शुरुआत में मंत्री ने नंबर दो बोकोनाला में प्रगतिशील किसान पंकज बोरा के ऑयल पाम बागान का निरीक्षण किया और फसल की कटाई प्रक्रिया का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने बोगीनदी माजगांव स्थित अरिग अजन एग्रोफेड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से संचालित अनानास प्रसंस्करण इकाई का दौरा



किया तथा स्थानीय उत्पादकों से बातचीत की। जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में बताया गया कि लखीमपुर जिले में किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य 81 फीसदी पूरा हो चुका है। मंत्री ने अधिकारियों को प्रतिदिन कम से कम 400 किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि निर्धारित समय सीमा तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, उर्वरक वितरण व्यवस्था, धान किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रमाणपत्र जारी करने, मखाना और ऑयल पाम की खेती के विस्तार, सुपारी एवं नारियल के पौधों के वितरण तथा विभिन्न सिंचाई योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। दौरे के अंतिम चरण में मंत्री ने बिहपुरिया के पाथालीपहाड़ में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के तहत निर्मित कृषि सेवा एवं प्रसंस्करण केंद्र (शीतगृह) का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि कृषि विभाग इस समय अनुपयोगी पड़े शीतगृह का अधिग्रहण कर इसे जल्द से जल्द चालू करेगा, ताकि स्थानीय किसानों को इसका लाभ मिल सके। इस दौरान विधायक मानव डेका, नब कुमार दलै और भूपेन बोरा भी मंत्री के साथ मौजूद रहे।

डिब्रूगढ़-सैरांग एक्सप्रेस के यात्रियों को चार घंटे में सुरक्षित निकाला गया : पूसीरे

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफ रेलवे) ने डिब्रूगढ़-सैरांग एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित यात्रियों को सुरक्षित निकालने और उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की। रेलवे प्रशासन ने राहत विशेष ट्रेन चलाकर सभी यात्रियों को उनके आगे के सफर के लिए रवाना किया। घटना के महज चार घंटे के भीतर सभी फंसे यात्रियों को राहत ट्रेन में बैठा लिया गया। यह ट्रेन सुबह 11.30 बजे डिगारू स्टेशन से सैरांग के लिए रवाना हुई। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि यात्रियों की तत्काल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए घटनास्थल पर करीब 1,200 बोतल पेयजल, चाय और बिस्कुट की व्यवस्था की गई। इसके अलावा लगभग 1,200 नाश्ते के पैकेट वितरित किए गए। आईआरसीटीसी के माध्यम से करीब 1,800 लंच पैकेट और पेयजल पैकेट भी उपलब्ध कराए गए। राहत विशेष ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन तथा पेयजल उपलब्ध कराया गया। कामाख्या रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 14620 के फंसे यात्रियों के बीच भी भोजन और पानी वितरित किया गया। यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे के सभी पांच मंडलों में हेल्पलाइन नंबर सक्रिय किए गए। वहीं, राहत ट्रेन से लामडिंग पहुंचने वाले यात्रियों के लिए विशेष चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित किया गया। रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत अभियान के दौरान लगातार समन्वय बनाकर यात्रियों की जरूरतों को पूरा किया। प्रभावित ट्रेन के यात्रियों ने रेलवे प्रशासन की त्वरित पहल और सहायता की सराहना की। उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर को सुबह करीब 6.54 बजे ट्रेन संख्या 13125 कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस डिगारू रेलवे स्टेशन पर दूसरी ट्रेन को प्राथमिकता देने के लिए लूप लाइन में प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान ट्रेन का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। 22 डिब्बों वाली इस ट्रेन में करीब 782 यात्री सवार थे, जिनमें से लगभग 216 यात्री प्रभावित डिब्बों में यात्रा कर रहे थे। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी यात्री की मौत या गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली। घटना के कारण कुछ रेल सेवाओं को रद्द करना पड़ा, जबकि कुछ ट्रेनों को बीच रास्ते में समाप्त किया गया और कुछ का परिचालन नियंत्रित किया गया। हालांकि, एनएफ रेलवे ने युद्धस्तर पर बहाली कार्य करते हुए उसी दिन अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर परिचालन फिर से शुरू कर दिया।

गौहाटी विश्वविद्यालय में चौथे प्राग्ज्योतिषपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर स्थित फणीधर दत्त सभागार में शंकरदेव शिक्षा और अनुसंधान न्यास के तत्वावधान में शुक्रवार को चौथे प्राग्ज्योतिषपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ हुआ। उत्सव के पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र में *जड़ों की तलाश में* (शिपर संधानत) मुख्य विषय पर गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने व्याख्यान दिया। प्रोफेसर महंत ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि असमिया जाति की जड़ें एक वट वृक्ष के समान हैं; इन जड़ों की तलाश करने पर गुरुदेव शंकरदेव का दर्शन और चाउलुंग सुकाफा के *वृहत्तर असम* के निर्माण की सोच देखने को मिलती है। मनीषा शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में नगालैंड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति समुद्र गुप्त कश्यप ने जड़ों की तलाश करते हुए असम की कई ऐतिहासिक घटनाओं और परिघटनाओं का उल्लेख किया। साहित्य उत्सव के कार्यकारी अध्यक्ष सौम्यद्वीप दत्त ने स्वागत भाषण दिया। भाषण के क्रम में वरिष्ठ कवि वशिष्ठ बुजरबरुवा की *अप्रतिरोध्य मैं* शीर्षक कविता का पाठ किया गया। कार्यक्रम में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कंदर्प कुमार डेका ने उत्सव की स्मारिका *प्राग्ज्योति* का विमोचन



किया। इस अवसर पर प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. देवब्रत खनिकर भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में डॉ. देवाशीष सैकिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के तुरंत बाद *भारत के गौरवशाली इतिहास के अध्ययन की प्रासंगिकता* विषय पर आयोजित सत्र में संसाधन व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन) के रूप में डॉ. समुद्र गुप्त कश्यप, प्रोफेसर रीतामणि वैश्य, डॉ. अंकिता दत्ता और डॉ. भास्करज्योति शर्मा उपस्थित रहे। पहले दिन के अंत में *काव्य कावेरी* कार्यक्रम में असम के 17 नए और पुराने कवियों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया।

काजीरंगा सड़क हादसे पर भाजपा असम प्रदेश ने जताया गहरा शोक

गुवाहाटी (हिंस)। काजीरंगा में हुए भीषण और हृदयविदारक सड़क हादसे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने एक बयान जारी कर कहा कि इस दुखद हादसे ने पूरे असम को स्तब्ध और मर्माहत कर दिया है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने हादसे में घायल लोगों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। वहीं, मंत्री अतुल बोरा घटनास्थल पर मौजूद रहकर बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में भाजपा शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है।

शहीद कनकलता बरुवा राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा, अब तक 25 फीसदी काम पूरा

गुवाहाटी/विश्वनाथ (हिंस/विभास)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को बिश्वनाथ जिले के गहपुर स्थित भोलागुड़ी चाय बागान में निर्माणाधीन शहीद कनकलता बरुवा राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परियोजना स्थल पर समीक्षा बैठक भी की। विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य अब तक लगभग 25 फीसदी पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कुलपति एवं कुलसचिव के आवास, शैक्षणिक भवन, छात्रावास तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय राजमार्ग-15 से जोड़ने वाली संपर्क सड़क को चार लेन में विकसित करने तथा एक नए रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का निर्देश दिया। साथ ही



विश्वविद्यालय के दूसरे चरण के निर्माण के लिए जल्द से जल्द विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा। विश्वविद्यालय परिसर को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने वन विभाग तथा बागवानी विशेषज्ञों के परामर्श से व्यापक योजना तैयार करने और जल्द पौधरोपण शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को चौबीसों घंटे काम तेज करने को कहा, ताकि अगले वर्ष मानसून शुरू होने से पहले निर्माण कार्य में उल्लेखनीय प्रगति हो सके। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 8 नवंबर 2025 को गहपुर के भोलागुड़ी में इस विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी थी। राज्य सरकार इस संस्थान को प्रौद्योगिकी आधारित व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। यहां आधुनिक और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे तथा उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने गहपुर के दिपोरा स्थित ऐतिहासिक श्रीश्री मां कल्याणी देवालय का दौरा किया और राज्य के लोगों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर के ऐतिहासिक तालाब में हंसों का एक जोड़ा छोड़ा तथा तालाब के किनारे बकुल का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाब के उत्तरी किनारे पर आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा चुका है और जल्द ही दक्षिणी किनारे पर भी इसी तरह के विकास कार्य किए जाएंगे।

राज्यपाल ने काजीरंगा में हुए दुखद सड़क हादसे में लोगों की मौत पर जताया शोक

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने काजीरंगा में हुए उस दुखद सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है, जिसमें आज कई लोगों की जान चली गई। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि वे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से बेहद दुखी हैं, जिसने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है, जिन्होंने इस हादसे में अपने अपनों को खो दिया है। राज्यपाल ने हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस भारी नुकसान को सहने की शक्ति, साहस और धैर्य दें।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने आयोजित किए जागरूकता कार्यक्रम



गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, (एसएसबी), सोनापुर की होजाई स्थित जी समवाय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत नंदीपुर मिडिल स्कूल में आज जनजातीय गौरव दिवस, जागरूकता अभियान, नशा मुक्त भारत अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं स्थानीय लोगों को विभिन्न सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर जागरूक किया गया। इस अवसर पर कई गतिविधियां आयोजित की गईं। जनजातीय गौरव दिवस के महत्व एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में जानकारी दी गई, जनजातीय समुदाय की संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली इतिहास के प्रति जागरूक किया गया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति जागरूकता फैलाई गई। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राज्यपाल ने *कृष्णमय प्राग्ज्योतिष* कार्यक्रम में भाग लिया

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र स्थित श्री श्री माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या *कृष्णमय प्राग्ज्योतिष* में भाग लिया। यह एक नाट्य-नृत्य प्रस्तुति थी, जिसमें प्राचीन प्राग्ज्योतिष के साथ भगवान श्री कृष्ण के संबंधों को दर्शाया गया था। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति *आई रुक्मिणी* : प्राग्ज्योतिष-द्वारका संबंध की खोज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के हिस्से के रूप में की गई थी। इस संगोष्ठी में प्राग्ज्योतिष और द्वारका के बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों का अन्वेषण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के साथ प्राग्ज्योतिषपुर का प्राचीन संबंध असम की लोक-कथाओं, साहित्य, संगीत, कला और आध्यात्मिक



परंपराओं में गहराई से रचा-बसा है। उन्होंने *रुक्मिणी हरण* प्रसंग के स्थायी महत्व पर प्रकाश डाला, जो असम की पौराणिक विरासत को भगवान श्री कृष्ण के दिव्य जीवन से जोड़ता है। कुंदिल के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी और भगवान श्री कृष्ण के विवाह की कथा असम की सांस्कृतिक चेतना में आज भी एक विशेष स्थान रखती है। राज्यपाल ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया, जिन्होंने *एकशरण नाम धर्म* के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की भक्ति को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बोरगीत, अंकिया नाट, भावना और सत्रिया नृत्य असम की भक्तिपूर्ण और सांस्कृतिक विरासत के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सत्रिया नृत्य को भारत की शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक के रूप में मान्यता मिलना, असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के राष्ट्रीय महत्व को दर्शाता है। श्री आचार्य ने कहा कि मथुरा और वृंदावन की भक्ति परंपराएं, द्वारका की विरासत, तथा असम की सत्रीया और भावना परंपराएं भारत की साझा सभ्यतागत चेतना का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि प्राग्ज्योतिष-द्वारका संबंधों की खोज से देश की सांस्कृतिक एकता और निरंतरता की समझ और अधिक गहरी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* और *विकास भी, विरासत भी* के विजन का जिक्र करते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को सहेजना, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और इसके शाश्वत मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों, शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं से इस प्रयास में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए *श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र सोसाइटी* को बधाई दी और उम्मीद जताई कि इस तरह की पहल से असम की गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान मिलेगी। इस कार्यक्रम में गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा; सत्रीया नृत्य विशेषज्ञ और पद्म भूषण से सम्मानित जतिन गोस्वामी; श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र सोसाइटी के सचिव सुदर्शन ठाकुर; उपाध्यक्ष प्रांजल सैकिया के साथ-साथ अन्य गणमान्य अतिथि, विद्वान, कलाकार और संस्कृति प्रेमी शामिल हुए।

रंगिया में 26वें श्रीसूर्य षष्ठी छठ पूजा की व्यापक तैयारियां पूरी



रंगिया (विभास)। रंगिया के पूरे क्षेत्र में इस समय उत्सव का माहौल है। पूब रंगिया छठ पूजा समिति के तत्वावधान तथा सभी के सहयोग से आगामी 15 और 16 नवंबर को दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रमों के साथ 26वें श्रीसूर्य षष्ठी छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूजा समिति द्वारा समस्त रंगिया वासियों एवं भक्तों की उपस्थिति और सहयोग की हार्दिक कामना की गई है। कार्यक्रमों के अनुसार, 15 नवंबर रविवार के दिन दोपहर 3 बजे सूर्य अर्घ्य प्रदान (पहला डाला) और शाम 7 बजे महिला नागाड़ा नाम प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया है। उक्त नागाड़ा नाम कार्यक्रम में क्वीन महंतो पाठिका के रूप में उपस्थित रहेंगी और असम क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य मुकुतानंद भट्टाचार्य इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। वहीं, 16 नवंबर, सोमवार के दिन भोर में 3 बजे सूर्य अर्घ्य (पारन) और सुबह 7 बजे प्रसाद वितरण के साथ पूजा के कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक समापन होगा। रंगिया वार्ड संख्या-3 के दलोई मुरारा (रजक कॉलोनी), धोबी घाट स्थित छठ पूजा घाट पर आयोजित होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में पूजा समिति ने सभी लोगों की उपस्थिति की हार्दिक कामना की है। इस पूजा को सर्वांगसुंदर बनाने में अध्यक्ष मदन भट्ट, कोषाध्यक्ष कमल रजक, सचिवद्वय गौतम रजक और जतीन बैश्य के साथ-साथ उपाध्यक्ष जयंत डेका, उत्तम मंडल तथा अन्य अन्य सचिवों और कार्यकारी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

धुबड़ी : एंबुलेंसकर्मियों के लापरवाही के चलते हुई मरीज की मौत को लेकर परिजनों में आक्रोश

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अगला पार्ट वन के निवासी शहीदुल मंडल नामक मरीज को अस्पताल गुवाहाटी जीएमसीएच रेफर किया गया। लेकिन सरकारी एंबुलेंस कर्मियों ने रास्ते में ईंधन भरवाने नाम पैसा मांगने लगे। पैसा ना देने के कारण एंबुलेंस कर्मियों ने उस मरीज को देर से बिलासीपाड़ा स्थित सरकारी चिकित्सालय में ले जाया गया। बाद में उस मरीज को कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज लाया गया, जबकि रास्ते में ही उस मरीज ने दम तोड़ दिया। मरीज की मृत्यु के बाद एंबुलेंस ड्राइवर और सहायक मौके से फरार हो गए हैं। मृतक मरीज की पहचान शहीदुल मंडल के रूप में की गई है। वहीं परिवार का कहना है कि सरकार द्वारा दी गई एंबुलेंस सेवा का लाभ गरीब लोगों के लिए होना चाहिए, लेकिन एंबुलेंस कर्मियों की लापरवाही के कारण ऐसी दुखद घटना हो रही है।



पर्वतझोरा के जालारबिला में *खेल महारण* का भव्य शुभारंभ

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के पर्वतझोरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जालारबिला वीसीडीसी के तत्वावधान में आयोजित *खेल महारण* का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर बीपीएफ के केंद्रीय नेता डॉ. रेजाउल करीम ने खेलों का औपचारिक उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. रेजाउल करीम ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि *खेल महारण* केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अंचलों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का एक सशक्त मंच है। खेलों के माध्यम से युवा पीढ़ी में अनुशासन, एकता, भाईचारा, आपसी सहयोग और नेतृत्व जैसे गुणों का विकास होता है। वर्तमान समय में युवाओं को मोबाइल की लत और अन्य असामाजिक गतिविधियों से दूर रखने पर जोर देते हुए डॉ. करीम ने कहा कि नई पीढ़ी को स्वस्थ, सबल और अनुशासित जीवनशैली के प्रति प्रेरित करने में खेलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले, तो वे आने वाले समय में



जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी और आयोजन समिति के इस सराहनीय प्रयास की सफलता की कामना की। उन्होंने *खेल से गढ़ें स्वस्थ समाज, खेलों के माध्यम से रोशन हो हमारी युवा पीढ़ी* का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

संपादकीय

हर साल 'दमघोंटू' दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। हर साल अक्तूबर से आधी फरवरी तक दिल्ली 'दमघोंटू' बन जाती है। न्यायाधीश तो अक्सर 'गैस चैंबर' तक की टिप्पणी करते रहे हैं। प्रदूषण इतना होता है कि वह 'खतरनाक' से भी आगे 'जानलेवा' श्रेणी तक बढ़ जाता है। अद्धराज्य सरकार 'ग्रैप-3' सरीखी पाबंदियां थोप देती है। राजधानी में निर्माण-कार्य ठप कर दिए जाते हैं। दिहाड़ीदार मजदूर की चिंता कौन करता है? उन्हें तो हररोज कुआं खोदना और रोटी का जुगाड़ करना पड़ता है। मजदूरों में अधिकांश दिल्ली के मतदाता ही नहीं है, लिहाजा सरकार परवाह भी नहीं करती। अलबत्ता सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को हिदायत दी जाती है कि उनके अधिकांश कर्मचारी 'वर्क फ्रॉम होम' करें। सर्वोच्च अदालत बार-बार टिप्पणियां करती रही है कि पाबंदियों से प्रदूषण खत्म नहीं किया जा सकता। बुनियादी वजह सडक़ों पर निजी वाहनों का सैलाब है, जिससे लगातार प्रदूषण फैल रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 3 करोड़ से अधिक निजी वाहन सडक़ों पर भाग रहे हैं। प्रदूषण कैसे रोका जा सकता है? दीपावली पर शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद, आस्था के नाम पर, इतने पटाखे और बम फोड़े गए कि राजधानी में रात्रि 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), यानी दिल्ली में हवा, पर्यावरण की स्थिति, 376 दर्ज किया गया। एक्यूआई 100 तक ही सामान्य माना जाता है। उसके बाद खराब, गंभीर जैसी स्थितियां आती हैं, लेकिन दिवाली की रात के बाद सुबह 4 बजे के आसपास एक्यूआई 400 के पार था। ऐसे 15 से ज्यादा इलाके थे। यह 'जानलेवा' स्तर का प्रदूषण है। राजधानी में 35 इलाके ऐसे दर्ज किए गए, जहां प्रदूषण का स्तर 300-400 के बीच था। यह भी 'खतरनाक' स्तर का प्रदूषण है। 2025 में किए गए एक अध्ययन के आधार पर जो रपट तैयार की गई थी, उसके मुताबिक, देश भर में प्रदूषण से हर सेकंड एक मौत हो रही है। अर्थात हररोज 5500 से अधिक मौतें... ! एक माह में 1,67,000 से अधिक मौतें... ! साल भर में 20 लाख से अधिक मौतें हो रही हैं। यह किसी वैश्विक महामारी के दौरान मारे गए लोगों से भी विकराल और भयावह यथार्थ है। यदि विश्व में औसतन 100 शहर प्रदूषित हैं, तो उनमें भारत के 66 शहर भी शामिल हैं। कितनी डरावनी और जानलेवा स्थिति है? देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में भी दिवाली की रात का एक्यूआई 1708-1844 तक पहुंच गया था! यह केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और विभिन्न रपटों का निष्कर्ष है। ऐसी भी रपटें हैं कि पंजाब के खेतों में पराली जलाने से सिर्फ 14 फीसदी ही प्रदूषण फैलता है, शेष 86 फीसदी प्रदूषण वाहनों, निर्माण-कार्य, फैक्ट्रियों, चीजों को जलाने से फैलने वाले धुएं से पैदा होता है। यथार्थ तो यह है कि दिवाली की एक रात में ही करीब 300 करोड़ रुपए के पटाखे और बम फोड़े गए। सर्वोच्च अदालत के निर्देशों को 'ठेंगा' दिखा दिया गया! बेशक दिल्ली और 65 अन्य शहर प्रदूषित हैं, लेकिन भारत कहीं से भी 'गरीब देश' नहीं है। दिवाली पर हजारों वाहन खरीदे गए। 'धनतेरस' पर दिल्ली में ही 1.20 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। पैसे हैं, तो खरीददारी की गई न! बहरहाल दिवाली की रात 8 नवंबर को ही पराली जलाने की 1152 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि ऐसी कुल घटनाएं अभी तक 4459 बताई जा रही हैं। दिल्ली में सरकार 'आप' की हो अथवा अब भाजपा की है, लेकिन 'खलनायक' पराली जलाने वाला किसान ही करार दिया जाता रहा है। यह क्षुद्र राजनीति छोड़ दीजिए, क्योंकि सवाल जीवन-मौत का है। कुछ सवाल हैं। क्या पराली जलाना ही 66 शहरों को प्रदूषित कर सकता है? देश के प्रधानमंत्री मोदी 'क्रांतिकारी नेता' करार दिए जाते रहे हैं। उनकी सत्ता दिल्ली में ही स्थापित है। राष्ट्रपति और सर्वोच्च अदालत भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। फिर केंद्र सरकार खामोश और निष्क्रिय क्यों है? यह राज्यों की ही समस्या नहीं है। यदि चीन बीजिंग का प्रदूषण समाप्त कर सकता है, तो भारत राजधानी दिल्ली-एनसीआर का ही प्रदूषण खत्म करने में असमर्थ, नाकाम व लाचार क्यों दिख रहा है? दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए सरकार को ठोस योजना बनानी होगी। और यह भी कि केवल योजना बनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उस पर अमल भी होना चाहिए। भारत के कई अन्य शहर भी प्रदूषण से त्रस्त हैं। विश्व स्तर पर देखें तो भारत के कई शहर प्रदूषण की चपेट में हैं।

प्रदूषण इतना होता है कि वह 'खतरनाक' से भी आगे 'जानलेवा' श्रेणी तक बढ़ जाता है। अद्धराज्य सरकार 'ग्रैप-3' सरीखी पाबंदियां थोप देती है। राजधानी में निर्माण-कार्य ठप कर दिए जाते हैं। दिहाड़ीदार मजदूर की चिंता कौन करता है? उन्हें तो हररोज कुआं खोदना और रोटी का जुगाड़ करना पड़ता है। मजदूरों में अधिकांश दिल्ली के मतदाता ही नहीं है, लिहाजा सरकार परवाह भी नहीं करती। अलबत्ता सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को हिदायत दी जाती है कि उनके अधिकांश कर्मचारी 'वर्क फ्रॉम होम' करें। सर्वोच्च अदालत बार-बार टिप्पणियां करती रही है कि पाबंदियों से प्रदूषण खत्म नहीं किया जा सकता। बुनियादी वजह सडक़ों पर निजी वाहनों का सैलाब है, जिससे लगातार प्रदूषण फैल रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 3 करोड़ से अधिक निजी वाहन सडक़ों पर भाग रहे हैं। प्रदूषण कैसे रोका जा सकता है? दीपावली पर शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद, आस्था के नाम पर, इतने पटाखे और बम फोड़े गए कि राजधानी में रात्रि 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), यानी दिल्ली में हवा, पर्यावरण की स्थिति, 376 दर्ज किया गया। एक्यूआई 100 तक ही सामान्य माना जाता है। उसके बाद खराब, गंभीर जैसी स्थितियां आती हैं, लेकिन दिवाली की रात के बाद सुबह 4 बजे के आसपास एक्यूआई 400 के पार था। ऐसे 15 से ज्यादा इलाके थे। यह 'जानलेवा' स्तर का प्रदूषण है। राजधानी में 35 इलाके ऐसे दर्ज किए गए, जहां प्रदूषण का स्तर 300-400 के बीच था। यह भी 'खतरनाक' स्तर का प्रदूषण है। 2025 में किए गए एक अध्ययन के आधार पर जो रपट तैयार की गई थी, उसके मुताबिक, देश भर में प्रदूषण से हर सेकंड एक मौत हो रही है।

भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल

भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं। पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा कि ''अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं।'' यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी। हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन ''लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता। भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए। ''अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा।



देश दुनीया से

मक्का पैक्ट से भारत की घेराबंदी की कोशिश

बांग्लादे के प्रधानमंत्री तारिक रहमान तुर्किये के अंताल्या में हैं। कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी31) के शिखर सम्मेलन में उनका आना एक औपचारिकता और रस्मों-उल्फत निभाने जैसा नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) का 31वां वार्षिक सत्र है। इस सम्मेलन की मेजबानी तुर्किये कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य मकसद वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयासों की समीक्षा करना है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जलवायु वार्ता में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। एर्दोआन से रिश्ते बेहतर होते, तो संभवतः प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने मंगलवार को तुर्किये के अंताल्या में बांग्लादेश से संबंधों को मजबूत करने के लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। लगभग 30 मिनट की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कोबीर भी मौजूद थे। विदेश सचिव सलाहुद्दीन नोमान चौधरी ने बताया कि बांग्लादेश की मुख्य प्राथमिकताओं में अनुकूलन के लिए वित्त जुटाना, नुकसान और क्षति के मुद्दों को संबोधित करना और विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त के लिए किए गए वादों को प्रभावी ढंग से लागू कराना शामिल है। विदेश सचिव ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जूट उत्पादों के उपयोग और प्रचार-प्रसार को लेकर बांग्लादेश और तुर्किये के बीच एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है। लेकिन, असली कार्ड अभी खोला नहीं गया है। क्या बांग्लादेश, 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' का हिस्सा बनना चाहता है? मक्का संयुक्त रक्षा समझौता सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच 7 अगस्त, 2026 को मक्का में हुआ एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता है। नाटो के अनुच्छेद 5 की तर्ज पर किए गए समझौते पर गौर कीजिए, जिसके अनुसार—'तीनों देशों (सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये) में से किसी एक पर भी किया गया सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा।' मक्का समझौते के तहत तीनों देश आपस में खुफिया जानकारी साझा करेंगे, रक्षा उत्पादन और हथियारों के निर्माण में एक-दूसरे की मदद करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त रूप से काम करेंगे। मक्का पैक्ट में यदि बांग्लादेश शामिल होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति में ढाका को इस्लामाबाद का पक्ष लेना होगा। यह भारत के लिए खतरे की घंटी है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने पिछले दिनों संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था, 'हम इस पैक्ट को पॉजिटिव नजरिए से देखते हैं।' जब बांग्लादेशी नेताओं और राजनयिकों के कमेंट्स के हवाले से पूछा गया, तो भारत ने कहा कि इस पैक्ट का उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा और वह हालात पर करीब से नजर रख रहा है। हालांकि, बांग्लादेश का इसमें शामिल होने का कोई भी कदम भारतीय सहयोग को मुश्किल बना सकता है। दोनों देशों के बीच 4,096 किलोमीटर की जमीनी सीमा है और उनके बीच मजबूत सांस्कृतिक-आर्थिक रिश्ते हैं। इन रिश्तों में कैसे दरार आए, इसका प्रयास एर्दोआन पाकिस्तान के सहयोग से करने लगे हैं। ढाका में नॉर्थ साउथ यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर नवीन मुर्शिद की धारणा है कि मक्का एग्रीमेंट के जरिए बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ने में पाकिस्तान की दिलचस्पी भौगोलिक और राजनीतिक वजहों से है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर और उसकी पूर्वी सीमा की सुरक्षा जरूरी बातें हैं।' उन्होंने भारत के अपने उत्तर-पूर्वी राज्यों से पतले जमीनी संपर्क का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर में बांग्लादेश उसे घेरे हुए है। उन्होंने समझाया कि ऐसे हालात में बांग्लादेश को साफ तौर पर यह तय करना होगा कि वह इस अलायंस में शामिल होकर क्या करेगा और क्या नहीं करेगा। लेकिन, ढाका में रहने वाले पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर को बांग्लादेश के इस समझौते में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। उनकी टिप्पणी थी, 'बांग्लादेश पिछले 50 से 55 वर्षों में किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ है। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा मानना है कि आज भी यह रुख बदला नहीं है।' क्या वास्तव में पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर जो सोच रहे हैं, वह सही है? ऐसा लगता नहीं। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे हैं, जिनमें बायराक्तार टीबी-2 ड्रोन, टीआरजी-300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल हैं। इसके साथ ही, दोनों देश रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और औद्योगिक सहयोग पर भी काम कर रहे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अंताल्या में हुई मुलाकात को औपचारिक मत मानिए। इस दौरान उन्होंने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री रहमान ने एर्दोआन को बांग्लादेश की आधिकारिक यात्रा के लिए भी आमंत्रित किया है। तुर्किये का लक्ष्य 2030 तक दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होना है। इसके लिए वह दक्षिण एशियाई साझेदारियों का उपयोग प्रमुख बाजारों और उत्पादन केंद्रों के रूप में कर रहा है। एक बात तो सुनिश्चित मानिए, एर्दोआन हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए 'इस्लामिक एकजुटता', 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) के पक्ष वाले विमर्श और सुरक्षा सहायता का सहारा ले रहे हैं।



आप का नजरीया

सामाजिक सौहार्द लहूलुहान

बात यह नहीं कि कानून की जंजीरें टूटीं, बल्कि यह है कि अब इनसानों की बस्ती से डर लगने लगा है। दिवाली जैसे उत्सव में भी अगर भाईचारे की सलामती तौबा करने लगे, तो हम सामान्य परिस्थितियों में रहेंगे कैसे। दुखद पहलू यह कि दिवाली की दीये ऊना के बदोली में अभिशप्त हो गए। पटाखों की गूंज में मातम अगर चीख उठा, तो हम किन चिरागों से अंधेरे मिटा रहे हैं। दो परिवार दिवाली की रात अपने सायों से खफा हुए, तो सामाजिक व्यवहार के ऐसे दर्पण को हम खून से लथपथ ही करेंगे और यही हुआ जब पटाखों की गंध के लिए एक व्यक्ति ने अपने वाहन से मियां-बीवी को रौंद दिया। वीभत्स दृश्य में हमारा सामाजिक सौहार्द अगर ऊना में लहूलुहान हो सकता है, तो ऐसा टकराव हर गली या घर-घर को चुनौती दे रहा है। लड़ाई-झगड़ों में पहले ऐसा मुकाम नहीं आता था कि लोग त्योहार की संगत भूल जाएं या कानून के आगे इतने बेखौफ हो जाएं कि सीधे वाहन के प्रहार से दो जिंदगियां देखते ही देखते लील दी जाएं। प्रदेश की आर्थिक तरक्की का एक प्रदर्शन हम त्योहारों या दैनिक जीवन शैली में देख रहे हैं, जहां दीवार से दीवार, वाहन से वाहन, चुनाव से चुनाव और व्यापार से व्यापार टकरा रहा है। हम दिवाली से खुशहाली मांगते हुए अगर अपनी दौलत से एक दूसरे का शिकार करना शुरू कर देंगे, तो वर्चस्व के हर ढेर के नीचे अपराध का फन छुपा रहेगा। विडंबना यह है कि दिवाली का जश्न अब पर्यावरण को लील रहा है। हिमाचल के हर कस्बे और शहर में दिवाली के बाद का नजारा घर, गली और सडक़ तक बिखरा पटाखों का कूड़ा है। बद्दी में एक्यूआई अगर 206 तक पहुंच रहा है, तो यह कारनामा आगे चल कर और गुल खिलाएगा। वायु प्रदूषण के आंकड़े कमोबेश हर पर्वतीय शहर को जख्म दे रहे हैं। पर्यावरण से अब विरासत के सवाल पूछे जाएं तो मालूम होगा कि नागरिक समाज ही अपने परिवेश का दुश्मन बन बैठा है। दिवाली की एक रात अगर 35 घर जला रही है, तो हम पटाखों के बहाने सारी मर्यादा भूल रहे हैं। ऊना और पांवटा साहिब से भी अधिक अगर धर्मशाला शहर की हवा का मिजाज बिगड़ रहा है, तो यह दिवाली शिमला के एक्यूआई को 191 तक पहुंचा कर तकलीफ दे रही है। पहले दिवाली मनाते थे, अब इसे खेल कर दिखाते हैं। हर हाथ में आतिशबाजी का द्वंद्व और शोर यह कि कौनसी चिंगारी जीत गई। किसकी हवाई हवा में ऊंचे से चढ़ गई, किसका अनार बहुत ऊपर तक रोशनी का गुब्बार ले गया। पटाखे फोडने का शगुन अब कान फोडने का ऐलान है। पूरी दिवाली अगर दिखावे का ऐलान है, तो हम अपना हुलिया बदल रहे हैं। यही हुलिया दिवाली की रात को ऊना में गमगीन बना देता है, तो वहां समुदाय कहां है। वहां दिवाली की मिठास के भीतर जहर किस जहनियत ने घोला। वो खिड़कियां या दरवाजे किसने बंद किए, जहां से दिवाली की रोशनी आती थी। बदोली का खूनी संघर्ष अगर आतिशबाजी का स्रोत है, तो हमें त्योहारों तक पहुंची आंच के कारण जान लेने चाहिएं। अगर अब धनवान ही बलवान है या पैसा ही हथियार मान लिया जाए, तो थार जैसी गाडियों के नीचे किसी को भी रौंदा जा सकता है। किसी भी टकराव के मुहाने को पहले समाज शांत करता था, लेकिन अब पूरे परिदृश्य को सांप सूंघ रहा है। धीरे-धीरे हम इतने बड़े और क्षमतावान हो रहे हैं कि छोटे से झगड़े का चरम बिंदु हत्यारा बन जाएगा। सडक़ों पर वाहनों के बीच झांकता द्वंद्व, पार्किंग में हुंकारा भरते लोग और अहंकार की गलियों में भटकते समाज के सामने अब अगर मौत ही गुस्से की परिणति बन जाएगी, तो रहम कौन करेगा।

दिवाली जैसे उत्सव में भी अगर भाईचारे की सलामती तौबा करने लगे, तो हम सामान्य परिस्थितियों में रहेंगे कैसे। दुखद पहलू यह कि दिवाली की दीये ऊना के बदोली में अभिशप्त हो गए। पटाखों की गूंज में मातम अगर चीख उठा, तो हम किन चिरागों से अंधेरे मिटा रहे हैं। दो परिवार दिवाली की रात अपने सायों से खफा हुए, तो सामाजिक व्यवहार के ऐसे दर्पण को हम खून से लथपथ ही करेंगे और यही हुआ जब पटाखों की गंध के लिए एक व्यक्ति ने अपने वाहन से मियां-बीवी को रौंद दिया। वीभत्स दृश्य में हमारा सामाजिक सौहार्द अगर ऊना में लहूलुहान हो सकता है, तो ऐसा टकराव हर गली या घर-घर को चुनौती दे रहा है। लड़ाई-झगड़ों में पहले ऐसा मुकाम नहीं आता था कि लोग त्योहार की संगत भूल जाएं या कानून के आगे इतने बेखौफ हो जाएं कि सीधे वाहन के प्रहार से दो जिंदगियां देखते ही देखते लील दी जाएं। प्रदेश की आर्थिक तरक्की का एक प्रदर्शन हम त्योहारों या दैनिक जीवन शैली में देख रहे हैं, जहां दीवार से दीवार, वाहन से वाहन, चुनाव से चुनाव और व्यापार से व्यापार टकरा रहा है। हम दिवाली से खुशहाली मांगते हुए अगर अपनी दौलत से एक दूसरे का शिकार करना शुरू कर देंगे, तो वर्चस्व के हर ढेर के नीचे अपराध का फन छुपा रहेगा। विडंबना यह है कि दिवाली का जश्न अब पर्यावरण को लील रहा है। हिमाचल के हर कस्बे और शहर में दिवाली के बाद का नजारा घर, गली और सडक़ तक बिखरा पटाखों का कूड़ा है। बद्दी में एक्यूआई अगर 206 तक पहुंच रहा है, तो यह कारनामा आगे चल कर और गुल खिलाएगा। वायु प्रदूषण के आंकड़े कमोबेश हर पर्वतीय शहर को जख्म दे रहे हैं। पर्यावरण से अब विरासत के सवाल पूछे जाएं तो मालूम होगा कि नागरिक समाज ही अपने परिवेश का दुश्मन बन बैठा है।

कुछ अलग

परमाणु से बड़ी प्रकृति शक्ति

ट्रॉम्बे मुंबई में जब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी जा रही थी। इंजीनियर्स दौड़े-दौड़े डॉ. होमी जहांगीर भाभा के पास आए। बोले, 'सर, मुख्य मार्ग के ठीक बीच में एक विशाल, प्राचीन वृक्ष आ रहा है। उसे काटे बिना इमारत का लेआउट संभव नहीं है।' सबको लगा, भाभा तुरंत हां कह देंगे। विज्ञान की प्रचंड शक्ति को नियंत्रित करने वाले वैज्ञानिक के लिए एक पेड़ क्या है? भाभा क्षण भर रुके। उस मूक, खड़े वृक्ष को देखा और दृढ़ स्वर में कहा, 'विज्ञान का उद्देश्य जीवन का सृजन है, विनाश नहीं। यदि हम एक जीवित वृक्ष की रक्षा नहीं कर सकते, तो हम कैसा भविष्य बना रहे हैं?' उन्होंने तुरंत आदेश दिया—वृक्ष नहीं कटेगा। इतना ही नहीं, उन्होंने पूरी परियोजना का नक्शा बदलवा दिया। मुख्य सड़क घुमाई गई, इमारत का अभिमुखीकरण बदला गया। समय लगा, पैसा अधिक लगा, पर वह वृक्ष आज भी परिसर में खड़ा है। यह केवल एक पेड़ को बचाने की कहानी नहीं है।

दृष्टि कोण

युवाओं का भरोसा फिर से कायम करने का समय

जैसा कि जीन-जैक्स रूसो ने कहा है—'सामाजिक अनुबंध' वह आधार है जिस पर नागरिक साझी व्यवस्था बनाने एवं जनकल्याण के लिए, अपनी नैसर्गिक स्वतंत्रता को संप्रभु शासन अथवा कानून के अनुसार चलने वाली सरकार द्वारा शासित होने के लिए छोड़ना गवारा करते हैं अर्थात् वोलोन्टे जेनरल (स्वैच्छिक सामान्य इच्छा)। और यह 'सामाजिक अनुबंध' आज दुनिया के अधिकांश हिस्सों में टूटा पड़ा है। युद्ध, दंगे, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हड़तालें इस घटनाक्रम का स्पष्ट प्रतिबिंब हैं। चरम आंदोलन और पार्टियों का उदय, चाहे वे चरम वामपंथी हों या दक्षिणपंथी, खतरनाक समय के अग्रदूत हैं। सरकार और नागरिक, दोनों को, इस टूटे अनुबंध पर पुनः विचार करना चाहिए। मैं इसे टूटा हुआ कहता हूं क्योंकि राज्य के सात प्राथमिक कर्तव्य-रक्षा एवं सुरक्षा; कानून एवं व्यवस्था; न्याय; अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा; सार्वजनिक वस्तुएं और बुनियादी ढांचा निर्माण; आर्थिक प्रबंधन; और सामाजिक कल्याण—आज अधिकांश देशों में अव्यवस्था की स्थिति में हैं। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां दुनिया परस्पर युद्धरत है। मानव जाति का इतिहास मोटे तौर पर युद्ध का वर्णन ही है। इलाके, व्यापार और साम्राज्य-निर्माण को को लेकर युद्ध, आंतरिक अस्थिरता से ध्यान भटकाने और 'विदेशी हाथ' को दोष देने की इच्छा रखने वाले नेताओं द्वारा हम

विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं : राजनाथ

–रक्षा मंत्री ने लखनऊ में ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित *दिव्य संस्कृति भवन* का किया लोकार्पण



लखनऊ (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य ऐसा राष्ट्र बनाना है, जहां परिवारों में संस्कार, समाज में सद्भाव, महिलाओं के प्रति सम्मान, युवाओं में अनुशासन और नागरिकों में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध हो। उन्होंने कहा कि देश केवल कानूनों से नहीं, बल्कि चरित्र से चलता है। कानून व्यवस्था बनाए रख सकते हैं, लेकिन समाज में विश्वास और सद्भाव अच्छे संस्कारों से ही पैदा होते हैं। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ के सुलतानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन में नवनिर्मित *दिव्य संस्कृति भवन* का लोकार्पण करने के बाद यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भवन सूर्य की भांति आध्यात्मिकता के प्रकाश को लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में प्रसारित करने में सहायक होगा। ब्रह्माकुमारीज ने आध्यात्मिकता के माध्यम से लाखों लोगों को जीवन में पूर्णता की ओर बढ़ने का अवसर दिया है। संस्था लगभग 140 देशों तक पहुंचकर मानवता को शांति, संतुलन और आत्मसम्मान का संदेश दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की बहनें नशामुक्ति अभियान चला रही हैं। संस्था के सदस्य अपने सेवा कार्यों से राष्ट्र निर्माण को गति दे रहे हैं। ऐसे प्रयास आध्यात्मिक चेतना, सेवाभाव और समर्पण से ही संभव हैं। आध्यात्मिक विकास केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का भी माध्यम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को दिशा देने का पवित्र जरिया है। राजनीति का नाम सुनते ही आज युवाओं में नकारात्मक भाव पैदा होते हैं। ऐसे में राजनीति को अध्यात्म और सेवा से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हित से पहले समाज के हित को महत्व देना चाहिए। राजनीति में आने वालों के मन में अधिकार से पहले उत्तरदायित्व का भाव होना चाहिए। भारत में राजधर्म की समृद्ध परंपरा रही है। राजा को प्रजा के सुख-दुख का सहभागी होना चाहिए। आज युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए इसी दृष्टिकोण को फिर से स्थापित करना जरूरी है। यदि राजनीति में सेवा, राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण दिखाई देगा तो युवा भी इससे जुड़ेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ आज अपनी नई पहचान बना रहा है। शिक्षा, संस्कृति, रक्षा, सुरक्षा, उद्योग और व्यापार सहित हर क्षेत्र में शहर अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विकास की नई संभावनाओं के साथ लखनऊ देश के सामने एक नई भूमिका में उभर रहा है। ब्रह्माकुमारीज लखनऊ की सब जोन प्रभारी राजयोगिनी बीके राधा दीदी ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना के 90 वर्ष और लखनऊ में संस्था की आध्यात्मिक सेवाओं के 72 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवदशकोत्सव मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव और भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में भाजपा : मेघवाल



रूपनगर (हिंस)। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी सुशासन और विकास को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाएगी। रूपनगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकारें सुशासन और विकास को प्राथमिकता देती हैं। पंजाब में भी पार्टी इन्हीं मुद्दों के आधार पर जनता का विश्वास हासिल करने का प्रयास करेगी। मेघवाल ने महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके शासन में बेहतर प्रशासन और विकास को विशेष महत्व दिया जाता था। भाजपा भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर पंजाब में सुशासन स्थापित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास कार्यों को पार्टी कार्यकर्ता लगातार जनता तक पहुंचा रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के संभावित गठबंधन को लेकर मेघवाल ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इस विषय में पार्टी की ओर से उचित समय पर अलग से जानकारी साझा की जाएगी।

पंजाब में आम आदमी पार्टी के साथ कभी गठबंधन नहीं करेगी कांग्रेस : चन्नी



चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पंजाब में कभी भी आम आदमी पार्टी के साथ हाथ नहीं मिलाएगी। यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है, तो भाजपा और आम आदमी पार्टी मिलकर सरकार बना सकती हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करेगी। न्नी ने यह बयान अपनी *जवानी संभाल यात्रा* के दूसरे दिन समराला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। उनकी साइकिल यात्रा समराला से लुधियाना की ओर रवाना हो गई है। चन्नी ने भाजपा और शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां अंदरखाते एक-दूसरे के साथ हैं और कभी अलग नहीं हुईं। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर भी भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। चन्नी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई के चलते आम आदमी पार्टी ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि केवल कांग्रेस ही पंजाब के लोगों को न्याय दिला सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि कांग्रेस से भी कुछ गलतियां हुई होंगी, लेकिन उनकी साइकिल यात्रा का उद्देश्य पंजाब को फिर से विकास की राह पर लाना है। उन्होंने कहा कि श्री चमकौर साहिब की पवित्र धरती से शुरू की गई इस यात्रा के माध्यम से पंजाब की खोई हुई खुशहाली वापस लाने का संकल्प लिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में निजी हितों को प्राथमिकता देने वाली सरकारों के कारण पंजाब की स्थिति खराब हुई है। चन्नी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस उनकी तरह 20 हजार करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने के खोखले दावे नहीं करेगी। कांग्रेस वही वादे करेगी, जिन्हें व्यावहारिक रूप से पूरा किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान को मुख्यमंत्री बनाकर केजरीवाल ने पंजाब को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो पंजाब को आर्थिक संकट में डालने के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। चन्नी ने किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि तीन कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर करीब 750 किसानों की जान गई थी।

दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल

चंडीगढ़ (हिंस)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को बड़ी राहत मिली है। अमृतसर की अदालत ने उन्हें अपनी दादी माता चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एक दिन की अंतरिम जमानत मंजूर की है। अमृतपाल सिंह 14 नवंबर को पंजाब आएंगे। उनके पंजाब आने के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने की संभावना है। अमृतपाल सिंह की दादी माता चरण कौर का आठ नवंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। इसके बाद परिवार ने अमृतपाल सिंह को अंतिम संस्कार और अन्य धार्मिक रस्मों में शामिल होने की अनुमति देने की मांग की थी। इस संबंध में अमृतपाल सिंह के परिवार की ओर से अमृतसर की अदालत में याचिका दाखिल करके 14 से 17 नवंबर तक चार दिन की अंतरिम जमानत देने की मांग की गई थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें केवल एक दिन की अंतरिम जमानत मंजूर की है। अमृतपाल सिंह के वकील कर्मवीर सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उनके अन्य रिश्तेदारों को भी राहत मिली है। माता चरण कौर के निधन के बाद परिवार ने उनका अंतिम संस्कार टाल दिया था। परिवार का कहना था कि जब तक अमृतपाल सिंह को अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं मिलती, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। परिवार ने अदालत से मानवीय आधार पर अमृतपाल सिंह को राहत देने की अपील की थी, ताकि वह अपनी दादी को अंतिम विदाई दे सकें। माता चरण कौर की तबीयत अधिक खराब होने के दौरान भी अमृतपाल सिंह के परिवार ने उनसे बातचीत करवाने की मांग की थी। अदालत ने अमृतपाल सिंह को अपनी दादी से 10 मिनट तक वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत करने की अनुमति दी थी। हालांकि, उनके वकीलों ने आरोप लगाया था कि प्रशासन ने समय पर वीडियो कॉल की व्यवस्था नहीं की। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह को 23 अप्रैल, 2023 को पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल भेज दिया गया था।

ओवैसी-चंद्रशेखर के साथ आने से भाजपा की राह नहीं रुकेगी : रमेश अवस्थी



कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नए राजनीतिक समीकरण बनने लगे हैं। ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के संभावित गठजोड़ पर कानपुर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रमेश अवस्थी ने इसे विपक्ष की एक और चुनावी कवायद बताया है। उनका कहना है कि अलग-अलग दलों के साथ आने से भाजपा के जनाधार पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। सांसद रमेश अवस्थी ने शुक्रवार को कहा कि दोनों नेताओं के पास ऐसा कोई राजनीतिक आधार नहीं है, जिससे प्रदेश की सत्ता की लड़ाई में बड़ा बदलाव आ सके। उन्होंने इस गठजोड़ को शून्य से शून्य का मिलन बताते हुए कहा कि केवल जाति और धर्म के सहारे चुनावी राजनीति करने से जनता का भरोसा नहीं जीता जा सकता। उनके मुताबिक, मतदाता अब विकास और सरकार के कामकाज को देखकर फैसला कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा की चुनावी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ आने से भाजपा के सामने कोई मुश्किल खड़ी नहीं होगी। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया। अवस्थी ने कहा कि नए राजनीतिक गठबंधनों को लेकर भाजपा के बजाय सपा और कांग्रेस को अपनी रणनीति की चिंता करनी चाहिए। अखिलेश यादव और राहुल गांधी को यह देखना होगा कि चुनाव में उनके सामने किस तरह की राजनीतिक चुनौती खड़ी हो रही है। चुनाव नजदीक आने पर दूसरे दल भी अपने समीकरण बनाने की कोशिश करेंगे। प्रियंका गांधी को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा पर भी अवस्थी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने बिहार और बंगाल के चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि वहां के नतीजों से कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में भी पार्टी को बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद नहीं है।

जयपुर पुलिस के छह जवानों को मिला कांस्टेबल ऑफ द मंथ सम्मान

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से उत्कृष्ट, सराहनीय और समर्पित सेवाओं के लिए छह पुलिसकर्मियों को अक्तूबर 2026 के *कांस्टेबल ऑफ द मंथ* पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने पुलिस आयुक्तालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी चयनित पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जयपुर पुलिस का मुख्य ध्येय *आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय* की भावना को साकार करना है। पुलिसकर्मियों के उत्कृष्ट कार्यों को पहचान और सम्मान देने से उनका मनोबल बढ़ता है तथा वे जनसेवा के लिए और अधिक प्रेरित होते हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि सम्मानित होने वालों में जवाहर सर्किल थाने के कांस्टेबल मनोज कुमार ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी विक्रम मीणा को गिरफ्तार करवाने तथा लूट के मामले में आरोपी तन्मय कुमार पारीक और विवेक सैन को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई। सिंधी कैंप थाने के कांस्टेबल सतवीर ने मोबाइल चोरी और छीनाझपटी करने वाली गैंग के सरगना मोईन उर्फ शाहरुख सहित मोहम्मद अनस, मोहम्मद गालिब और हसीब मेव को गिरफ्तार करवाया। आरोपियों से चोरी और छीनाझपटी के 20 मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई। नाहरगढ़ थाने के कांस्टेबल विजय कुमार ने बैग से चोरी हुए 20 लाख रुपए में से 18 लाख 93 हजार रुपए बरामद करवाने और तीन आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अन्य चोरी के मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी, चोरी के वाहन के इंजन और चेसिस नंबर मिटाकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले आरोपी को पकड़ने तथा एक नाबालिग बालिका को दस्तयाब करवाने में भी सहयोग किया। सांगानेर सदर थाने के कांस्टेबल रामवतार ने महिला की हत्या के ब्लाइंड मामले का खुलासा करने, लूट के मामले में फरार चार इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करवाने तथा सॉफ्टवेयर में सेंध लगाकर करीब दो करोड़ रुपए के जीएस उपकरण चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई। यातायात उत्तर के कांस्टेबल राजेश कुमार ने वनस्थली मार्ग चौराहे पर रेड लाइट के दौरान ऑटो में बैठी सवारी से एक लाख रुपए से भरा बैग छीनकर भाग रहे मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों को पकड़ लिया। उन्होंने रुपयों से भरा बैग संबंधित व्यक्ति को लौटाया और दोनों बदमाशों को मोटरसाइकिल सहित जालूपुरा थाना पुलिस के सुपुर्द किया।

जनगणना में सही जानकारी दें, आधार और ओटीपी मांगने वालों से रहें सावधान

मीरजापुर (हिंस)। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने नागरिकों से जनगणना के दौरान प्रगणकों को सही और स्पष्ट जानकारी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना कर्मियों के घर पहुंचने पर परिवार, मकान, शिक्षा, रोजगार समेत पूछी गई जानकारियां सही-सही उपलब्ध कराएं। किसी भी तरह की गलत या भ्रामक जानकारी न दें। डीएम ने नागरिकों को फर्जीवाड़े से सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि जनगणना कर्मियों का आधिकारिक पहचान पत्र अवश्य देखें। कोई भी जनगणना कर्मी आधार नंबर, पैन नंबर, बैंक खाते का विवरण या ओटीपी नहीं मांगेगा। यदि कोई इन जानकारियों की मांग करता है तो सतर्क रहें और ऐसे किसी भी झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि प्रगणक और पर्यवेक्षक घर-घर पहुंचकर जनगणना का कार्य कर रहे हैं।

पंजाब में बिजली बिलों पर जुर्माना-ब्याज माफ मान सरकार लाई वन टाइम सेटलमेंट स्कीम



चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को राहत देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को 31 मार्च तक के बकाया बिजली बिलों पर जुर्माने और ब्याज में 100 प्रतिशत माफी के लिए एकमुश्त निपटान योजना (ओटीएस) का ऐलान किया। इस योजना से 24.86 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा, जिनके 518 करोड़ रुपए के जुर्माने और ब्याज माफ होंगे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उपभोक्ताओं को एक साल में मूल राशि का 25 प्रतिशत पहले और 75 प्रतिशत बाद में किस्तों में जमा करवाना होगा। इस फैसले से 24 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिलेगा और उनके 518 करोड़ रुपए के जुर्माने और ब्याज माफ होंगे। कटे हुए बिजली कनेक्शन भी बहाल होंगे। हमारी सरकार सही मायनों में आम लोगों की सरकार है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना से लगभग 2,516 करोड़ रुपए के बकाया बिजली बिलों वाले 24.86 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को फायदा होगा, जिसमें से 518 करोड़ रुपए माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वित्तीय इमदाद नहीं, बल्कि आम घरों की जिंदगी को आसान बनाने की वचनबद्धता है। अब उपभोक्ताओं को सिर्फ बिलों की मूल राशि ही देनी होगी, जबकि लेट फीस सरचार्ज और ब्याज का सारा बोझ माफ कर दिया जाएगा। भुगतान विधि के बारे में समझाते हुए उन्होंने कहा कि योग्य उपभोक्ताओं को अपनी बकाया मूल राशि का 25 प्रतिशत हिस्सा एक बार जमा करवाना होगा, जबकि बाकी 75 प्रतिशत राशि अधिकतम छह बराबर मासिक किस्तों में अदा की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रहे उपभोक्ता अपने भुगतान के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय भी ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना 31 मार्च तक के सभी बकाया बिजली बकायों को कवर करेगी और वाणिज्यिक सर्कुलर जारी होने से 45 दिनों तक चालू रहेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिसूचना शनिवार 14 नवंबर को जारी की जाएगी, जिसके बाद योजना तुरंत लागू हो जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) अगले सात दिनों के अंदर सभी योग्य उपभोक्ताओं को विशेष एकमुश्त निपटान योजना बिल और नोटिस भेजेगी। इन बिलों में कुल बकाया राशि, माफ किए जा रहे सरचार्ज और ब्याज तथा योजना के तहत अदा करने योग्य मूल राशि को स्पष्ट तौर पर दोहराया जाएगा। 518 करोड़ रुपए की माफी लाखों परिवारों को जमा हुए बिजली बकाये के बोझ में से बाहर आने और एक सरल तथा सुविधाजनक प्रणाली के जरिए अपने खाते क्लियर करने का मौका देगी।

प्रियंका सिंह का छठ गीत *गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया* रिलीज

गीत में मातृत्व की अभिलाषा और आस्था का भावपूर्ण संगम



पटना (हिंस)। चार दिवसीय छठ महापर्व के अवसर पर सुप्रसिद्ध लोक एवं पार्श्व गायिका प्रियंका सिंह की आवाज में भोजपुरी का भावपूर्ण छठ गीत *गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया* रिलीज हुआ है। गीतकार मनोज भावुक की लेखनी से सजे इस गीत में एक स्त्री की अधूरी अभिलाषा, मातृत्व की लालसा और छठी मइया के प्रति अटूट आस्था को बेहद संवेदनशील अंदाज में अभिव्यक्त किया गया है। गीत में एक ऐसी मां की अरदास को स्वर दिया गया है, जो अपने आंगन में बच्चे की किलकारी सुनने और अपनी गोद में ललना खिलाने का सपना देख रही है। इस गीत की खासियत यह भी है कि प्रियंका सिंह इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में आयोजित छठ महोत्सव में शामिल होकर प्रवासी बिहारियों के बीच अपनी गायिकी के माध्यम से बिहार की लोकसंस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। एक ओर ऑस्ट्रेलिया के छठ घाटों पर उनकी आवाज छठी मइया की आराधना में गूंज रही है, तो दूसरी ओर उनका नया गीत दुनियाभर के भोजपुरी संगीत प्रेमियों तक पहुंच रहा है। यह भोजपुरी लोकसंगीत की बढ़ती वैश्विक पहचान का भी सुंदर उदाहरण है। मनोज भावुक और प्रियंका सिंह की जोड़ी भोजपुरी संगीत जगत को कई यादगार गीत दे चुकी है। मनोज भावुक की संवेदनशील लेखनी और प्रियंका सिंह की सुरीली एवं भावप्रधान गायिकी का अनूठा तालमेल उनके गीतों को खास पहचान देता है। गजल, फिल्मी गीत और लोकभावना से जुड़े गीतों में प्रियंका ने मनोज भावुक के शब्दों की संवेदना को अपनी आवाज में खूबसूरती से उतारा है।

नहाय खाय की रस्म के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू

खरना पूजा के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास कल होगा शुरू, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश व पूर्वोत्तर राज्यों के मूलवासियों में उत्साह



जोधपुर (हिंस)। शहर में निवासरत बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड व पूर्वोत्तर राज्यों के मूलवासियों का चार दिवसीय डाला छठ पूजन उत्सव शुक्रवार को मंगल गीतों के बीच सुबह नहाए खाय की रस्म के साथ शुरू हुआ। वहीं व्रती महिलाओं ने शुद्ध और सात्विक मन से स्नान ध्यान कर व्रत का संकल्प लिया। पहले दिन व्रतियों ने सात्विक भोजन किया और घरों में छठी मैया के गीत गूंजे। सूर्योपासना से जुड़ा प्रमुख लोक आस्था का चार दिवसीय डाला छठ पूजन उत्सव आज नहाए खाय की रस्म के साथ शुरू हो गया है। पारिवारिक सुख-समृद्धि तथा मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए लोक आस्था के महापर्व डाला छठ को लेकर रातानाडा, कुड़ी भगतासनी, एयरफोर्स सैन्य क्षेत्र, मधुबन हाउसिंग बोर्ड व बासनी में निवासरत बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश व पूर्वोत्तर राज्यों के मूलवासियों में उत्साह दिखाई दे रहा है। महापर्व के पहले दिन नहाय खाय का स्नान करने के साथ ही महिलाओं ने पूरी पवित्रता से घर की सफाई करके भोजन ग्रहण किया। शनिवार शाम से खरना पूजा के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा। व्रती महिलाएं गेहूं को धोकर व सुखाकर घर की चक्की में पिसेंगी और उसी आटे का ठेकुआ प्रसाद बना के पूजा पाठ कर व्रत करेंगी। पूरे दिन निर्जला उपवास कर शाम को सूर्य देव की उपासना कर प्रसाद ग्रहण करेंगे। प्रसाद पाने के बाद व्रती महिलाएं 36 घंटे सूर्य देव और छठी मईया को भोग लगाकर स्वयं ग्रहण करेंगी। इसी के साथ उनका 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा। तीसरे दिन रविवार को छठ व्रती महिलाएं जलकुंड में छठ पूजन के लिए अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य प्रदान करेंगी। वहीं अंतिम दिन सोमवार को उदित सूर्य को अर्घ्य देकर कठिन व्रत का पारणा किया जाएगा। 15 नवंबर को षष्ठी पर शहर के तालाबों और कृत्रिम कुंडों पर मुख्य पूजा होगी। रातानाडा गणेश मंदिर के नीचे स्थित तालाब पर सबसे बड़ा आयोजन होगा। कुड़ी सहित अन्य क्षेत्रों में भी कृत्रिम कुंड बनाकर पांडाल सजाए जाएंगे। व्रती महिलाएं संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ 14 से 16 नवंबर तक 36 घंटे का कठिन निर्जल व्रत करेंगी। व्रती भगवान भास्कर और छठी मैया से समस्त चराचर जगत पर कृपा बनाए रखने की कामना करते हैं। सूर्य देव की पूजा के जरिए प्रकृति और जीवन के प्रति कृतज्ञता जताने की परंपरा इस पर्व से जुड़ी है। प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता का आस्था उत्सव छठ पूजन शहर में रातानाडा जलाशय के अलावा शेखाजी का तालाब, एयरफोर्स क्षेत्र, कुड़ी भगतासनी और बासनी क्षेत्र में मनाया जा रहा है। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कृत्रिम जलकुंड भी बनाए जा रहे हैं। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रोशनी और स्वच्छता व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।



सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु भी गुरुवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट, टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद



नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डालर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डालर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता, कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते



नई दिल्ली। दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा। केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ: एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश: डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा।

आनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्राड का खतरा, बैंक हुए सख्त



नई दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब आनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफार्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। आटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का साफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए 19 को लान्च होगा वटराना रेंटल्स का आईपीओ, 27 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट रेंटल्स सेक्टर की कंपनी वटराना रेंटल्स लिमिटेड का 120.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च किया जाएगा। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 नवंबर को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 26 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलाटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 27 नवंबर को नेशनल स्टाक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 232 रुपये से लेकर 245 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 600 शेयर का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम 2 लाट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,94,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49,02,000 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें आफर फार सेल विंडो के जरिए प्रमोटर्स द्वारा कोई बिकवाली नहीं की जा रही है।

इस आईपीओ के कुल साइज में से 2,52,000 शेयर मार्केट मेकर बासन इक्विटी ब्रोकिंग लिमिटेड के लिए रिजर्व रखे गए हैं। शेष 46,50,000 शेयरों के नेट आफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.94 प्रतिशत यानी 23,22,000 शेयर सुरक्षित रखे गए हैं, जिसमें एंकर निवेशकों के 13,86,000 शेयर शामिल हैं। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.05 प्रतिशत यानी 16,29,600 शेयर और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए 15.02 प्रतिशत यानी 6,98,400 शेयर रिजर्व किए गए हैं। इस पूरे इश्यू के लिए वनव्यू कार्पोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।



इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाई गई रकम में से 98.13 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट, एरियल वर्क प्लेटफार्म और बैटरी की खरीद के लिए करेगी। इसके बाद बची शेष राशि सामान्य कार्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

वटराना रेंटल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 18.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्राफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 24.43 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 29.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 7.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 130.23 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 179.66 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 18 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 211.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 53.62 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के विस्तार के साथ उस पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर कुल 93.12 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 110.54 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में और बढ़ कर 164.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी का कुल कर्ज 164.72 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी की कुल संपत्ति (टोटल एसेट्स) में भी इस दौरान मजबूती बनी रही। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी की कुल संपत्ति 147.69 करोड़ रुपये के स्तर पर थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 201.82 करोड़ रुपये हो गई और वित्त वर्ष 2025-26 में और बढ़त के साथ 287.07 करोड़ रुपये हो गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून 2026 तक कंपनी की कुल संपत्ति 301.71 करोड़ रुपये दर्ज की गई। रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो कंपनी ने इस मोर्चे पर भी लगातार मजबूती हासिल की है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 31.95 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 46.38 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में बढ़ कर 75.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक यह और बढ़ कर 83.23 करोड़ रुपये हो चुका था।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बड़ा इजाफा दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेटवर्थ 31.96 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 56.39 करोड़ रुपये हो गया और वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 85.55 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून 2026 तक कंपनी का नेटवर्थ 93.24 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार, गिफ्ट निफ्टी पर बना दबाव



नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं, डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा लिवाली का माहौल रहा, जहां सभी प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है, जिसमें ज्यादातर प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी सुबह दबाव में नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर बिकवाली का दबाव रहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग के पद छोड़ने के बाद एनवीडिया के शेयरों में आई गिरावट एनर्जी शेयरों की बढ़त पर भारी पड़ी। एनवीडिया के शेयर दिन के निचले स्तर से कुछ संभले, लेकिन फिर भी 4.3 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। इस दबाव के कारण डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 189.40 अंक यानी 0.36 प्रतिशत गिर कर 52,297.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 26.98 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,592.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 100.10 अंक यानी 0.39 प्रतिशत टूट कर 25,366.09 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि, सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल 153.12 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,450.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 109.11 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,771.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने भी 28.49 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 8,361.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके साथ ही ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में भी मजबूती का रुख रहा और यह सूचकांक 27.62 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,863.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। ग्लोबल मार्केट के इन मिले-जुले संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

ओला पर डार्क पैटर्न टिपिंग के लिए 10 लाख का जुर्माना



नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ओला पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई ओला द्वारा राइड स्वीकार होने से पहले ही ग्राहकों से एडवांस टिप मांगने को लेकर हुई है, जिसे सीसीपीए ने भ्रामक और डार्क पैटर्न करार देते हुए तुरंत बंद करने का आदेश दिया है। ओला ऐप पर ग्राहक को अक्सर ड्राइवर द्वारा बुकिंग स्वीकार न होने पर टिप देने का विकल्प दिखता था, जिसमें जल्दी राइड मिलने का संकेत भी मिलता था। प्राधिकरण ने इसे कन्फर्म शेमिंग नामक डार्क पैटर्न बताया, जहां ग्राहक को मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव महसूस कराया जाता था। कई बार आपात स्थिति में ग्राहक 499 रुपये तक अतिरिक्त टिप दे देते थे, यह सोचकर कि उन्हें जल्द कैब मिलेगी। सीसीपीए की जांच में ओला के आंकड़ों ने ही दावा निराधार साबित किया। दिल्ली में अतिरिक्त पैसे वाली सिर्फ 32 फीसदी राइड स्वीकार हुईं, जबकि बिना टिप वाली 68 फीसदी। बेंगलुरु में भी ऐसे ही आंकड़े सामने आए। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि टिप अच्छी सेवा के बाद ग्राहक की मर्जी से दिया जाने वाला भुगतान है, न कि सेवा मिलने से पहले की शर्त।

अमूल और मदर डेयरी के बाद वेरका ने भी की दूध के भाव में वृद्धि, 8 रुपये तक महंगा हुआ

नई दिल्ली

आम आदमी की रसोई का बजट एक बार फिर से गड़बड़ा गया है। देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड्स के लगातार दूध के दाम बढ़ाए जाने से उपभोक्ताओं पर महंगाई की दोहरी मार पड़ी है। अमूल और मदर डेयरी के बाद अब पंजाब स्टेट कोआपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड के चर्चित ब्रांड वेरका ने भी अपने दूध की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी है।

वेरका ने अपने विभिन्न पैकेट वाले दूध की अधिकतम खुदरा कीमतों में 1 रुपये से लेकर 8 रुपये तक का इजाफा किया है। यह नई और बढ़ी हुई दरें लागू हो गई हैं। इस फैसले का सीधा असर पंजाब, चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली, कालका, रोपड़ और दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के तमाम इलाकों के करोड़ों ग्राहकों पर पड़ा है। फेडरेशन के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह निर्णय हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद लिया गया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस समीक्षा बैठक में पंजाब और पड़ोसी राज्यों की अन्य प्रमुख डेयरी कंपनियों की मौजूदा दरों का आकलन किया गया। इसके बाद उत्पादन लागत और बाजार की परिस्थितियों को देखते हुए कीमतों में संशोधन को मंजूरी दी गई। वेरका की नई रेट लिस्ट के मुताबिक, एक लीटर वाले पैकेट पर ग्राहकों को अब 2 रुपये से 4 रुपये तक अधिक चुकाने होंगे। कंपनी का एक लीटर फुल क्रीम दूध अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये में मिलेगा। इसी तरह एक लीटर स्टैंडर्ड दूध की कीमत 65 रुपये से बढ़कर 69 रुपये हो गई है। वहीं एक लीटर टोंड दूध के लिए अब 59 रुपये की जगह 61 रुपये और डबल टोंड दूध के लिए 53 रुपये के स्थान पर 55 रुपये देने होंगे।



छोटे परिवारों में सबसे ज्यादा खरीदे जाने वाले आधा लीटर यानी 500 मिलीलीटर के पैकेट भी अब महंगे हो गए हैं। आधा लीटर फुल क्रीम दूध का दाम 36 रुपये से बढ़कर 38 रुपये प्रति पैकेट हो गया है। स्टैंडर्ड दूध का आधा लीटर पैक 33 रुपये की जगह 35 रुपये में और गाय का दूध 31 रुपये से बढ़कर 33 रुपये में उपलब्ध होगा।

इसके अलावा 500 मिलीलीटर वाले अन्य वेरिएंट्स में भी 1 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। आधा लीटर टोंड दूध अब 30 रुपये के बजाय 31 रुपये में खरीदा जा सकेगा। डबल टोंड दूध के 500 मिलीलीटर पैक की कीमत 27 रुपये से बढ़कर 28 रुपये कर दी गई है। वहीं स्किम्ड मिल्क का आधा लीटर पैकेट भी 24 रुपये से महंगा होकर 25 रुपये का हो गया है।

बड़े पैकेट खरीदने वाले ग्राहकों की जेब पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, जहां कीमतों में 6 रुपये से 8 रुपये तक की वृद्धि हुई है। डेढ़ लीटर फुल क्रीम दूध का पैकेट 106 रुपये से बढ़कर 112 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार डेढ़ लीटर स्टैंडर्ड दूध अब 96 रुपये की जगह 102 रुपये में और डेढ़ लीटर गाय का दूध 90 रुपये से बढ़कर 96 रुपये में मिलेगा। दो लीटर के बड़े पैकेट की बात करें तो इसमें सीधा 8 रुपये का उछाल आया है। दो लीटर फुल क्रीम दूध की कीमत 142 रुपये से बढ़कर 150 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, दो लीटर स्टैंडर्ड दूध का पैकेट भी अब 128 रुपये के बजाय 136 रुपये की नई दर पर बेचा जा रहा है। इस महंगाई के बीच कुछ चुनिंदा छोटे पैकेट्स के ग्राहकों को फेडरेशन ने राहत भी दी है। वेरका के 180 मिलीलीटर डबल टोंड दूध और 350 मिलीलीटर टोंड दूध की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ ही खुले या बल्क मिल्क वेरिएंट्स की दरों और विक्रेताओं का मार्जिन भी पहले की तरह ही स्थिर रखा गया है। हालांकि, कीमतें स्थिर रखने के साथ ही कंपनी ने कुछ पैकेट्स की मात्रा घटाने का फैसला भी लिया है। फेडरेशन के अनुसार, पैकेजिंग फिल्म का पुराना स्टाक समाप्त होने के बाद 350 मिलीलीटर टोंड दूध के पैकेट का वजन घटा कर 320 मिलीलीटर कर दिया जाएगा। इसी तरह 450 मिलीलीटर वाले स्टैंडर्ड दूध के पैकेट में भी अब 430 मिलीलीटर दूध ही मिलेगा।

लंबे ब्रेक के बाद प्राइमरी मार्केट में होगी हलचल, 18 को लान्च होगा क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन का आईपीओ

नई दिल्ली

एग्रोकेमिकल्स और सीड्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 455.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च किया जाएगा। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 20 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 नवंबर को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलाटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बाम्बे स्टाक एक्सचेंज और नेशनल स्टाक एक्सचेंज के मेनबोर्ड प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 259 रुपये से लेकर 272 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 55 शेयर का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम एक लाट यानी 55 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,960 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,67,54,274 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें 354.77 करोड़ रुपये के 1,30,51,580 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा आफर फार सेल विंडो के जरिए प्रमोटर अंकुर अग्रवाल द्वारा 100.71 करोड़ रुपये के 37,02,694 शेयरों की बिक्री की जा रही है। कंपनी के कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर 25 रुपये का डिस्काउंट भी रखा गया है।



इस आईपीओ के नेट आफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड, डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाई गई रकम में से 247.94 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने के लिए करेगी। इसके अलावा 22.06 करोड़ रुपये का उपयोग अपनी सब्सिडियरी कंपनी सफायर क्राप साइंस प्राइवेट लिमिटेड के बकाया कर्ज के भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके बाद बची शेष राशि अधिग्रहण, रणनीतिक पहलों और सामान्य कार्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 87.24 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्राफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 118.39 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 22 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ 144.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 135.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2,271.71 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,731.94 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 16 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 3,180.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 1,209.21 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के विस्तार के साथ उस पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर कुल 577.29 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 947.02 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने अपने कर्ज को कम किया और यह घट कर 820.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी का कुल कर्ज 952.02 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।



सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वार्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

पर्थ

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाजा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे वनडे मुकाबले के दौरान फाक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वार्नर ने ख्वाजा का समर्थन किया। ख्वाजा की हाल ही में जारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है।

वार्नर ने कहा, पैट कमिंस पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उज्जी (उस्मान ख्वाजा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज कप्तान ने उज्जी को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।

वार्नर ने ख्वाजा के दावों का किया समर्थन, कहा- आठ साल से हम रोजाना भुगत रहे हैं सजा, जांच भी ठीक से नहीं हुई

उन्होंने कहा, इस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। हमें ऐसी सजा मिली है, जो जिंदगी भर चलती रहेगी। इसलिए जब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है। उस दौरान हमने अपना बच्चा खो दिया था और जब तक सच को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक यह बात मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ देती रहेगी।

वार्नर ने उस समय हुई जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह बहुत मुश्किल रहा है, क्योंकि शुरुआत में जिस तरीके से इस मामले को संभाला गया, उससे हमारे लिए वापस जाकर और सबूत देना कठिन हो गया। मुझे लगा कि जांच ठीक से नहीं हुई थी। यह मामला जल्दबाजी में निपटाने के लिए की गई जांच थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें दोबारा वहां जाकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। टाड ग्रीनबर्ग ने पिछले दिनों इस संभावना को खारिज कर दिया। इसलिए मुझे लगा था कि शायद इस पूरे मामले के बाद पर्दे के पीछे कुछ बातचीत होगी। इससे पहले कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को 100 प्रतिशत गलत और पूरी तरह बकवास बताया था। ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी, जिसमें कमिंस भी शामिल थे। इस विवाद में शामिल होने के कारण स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे। वार्नर के ताजा बयान से स्पष्ट है कि यह मामला उनके लिए आज भी बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। उनका मानना है कि इस पूरे प्रकरण और इसकी जांच से जुड़ी परिस्थितियों पर अब तक पर्याप्त और सही तरीके से विचार नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया



कुमामोटो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जापान मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत, वतनबे ने सीधे गेमों में दी मात



कुमामोटो। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का जापान मास्टर्स में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ 22-24, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला 41 मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच 20 अंकों के बाद भी कड़ा मुकाबला जारी रहा। घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहे वतनबे ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की और मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी वह 14-9 से आगे थे, लेकिन वतनबे ने जबरदस्त वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने 14-9 से पिछड़ने के बाद अगले 13 में से 12 अंक जीतकर गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। इस तरह उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हार के बावजूद श्रीकांत के लिए यह टूर्नामेंट कुल मिलाकर अच्छा रहा। इससे पहले उन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी कोडाई नाराओका को पांचवीं भिड़ंत में पहली बार हराया था। श्रीकांत ने नाराओका के खिलाफ 21-15, 11-21, 21-18 से जीत दर्ज की थी। दूसरे गेम में बड़ी हार के बाद उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था।

मेजर लीग साकर : लगातार तीसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने मेसी



न्यूयार्क। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी लगातार तीसरे वर्ष मेजर लीग साकर (एमएलएस) के प्रतिष्ठित लैंडन डोनोवन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने हैं। लीग ने सत्र के समापन पर दिए जाने वाले आठ व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए फाइनलिस्ट की घोषणा की। एमवीपी पुरस्कार की दौड़ में मेसी के साथ 17 वर्षीय उभरते खिलाड़ी कैवन सुलिवन भी शामिल हैं। इंटर मियामी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले मेसी ने पिछले लगातार दो सत्रों में यह पुरस्कार जीता था। इस बार भी वह इसके प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने नियमित सत्र में लीग के सर्वाधिक 26 गोल किए, जबकि उनके नाम 17 असिस्ट भी रहे, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमवीपी पुरस्कार के लिए मेसी और सुलिवन के अलावा एफसी सिनसिनाटी के इवांडर, ह्यूस्टन डायनमो के गिलहर्मे और नैशविले एससी के हानी मुख्तार फाइनलिस्ट हैं। सिंगी शिमड कोच आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के बीजे कैलाघन, सेंट लुइस सिटी के योआन डामे और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के जेस्पर सोरेनसन दावेदार हैं। कैलाघन के मार्गदर्शन में नैशविले ने 23 जीत, तीन हार और आठ ड्रा के साथ 77 अंक हासिल कर सपोर्टर्स शील्ड अपने नाम की। डिफेंडर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के तीन खिलाड़ी एंडी नाजार, जेइसन पलासियोस और मैक्सवेल वोल्डेजी फाइनलिस्ट हैं। वहीं, गोलकीपर आफ द ईयर पुरस्कार की दौड़ में नैशविले के ब्रायन श्वाके, सेंट लुइस सिटी के रोमन बुर्की और न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के मैट टर्नर शामिल हैं। कमबैक प्लेयर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए वैंकूवर व्हाइटकैप्स के रयान गाल्ड, सिनसिनाटी के निक हैगलंड और सैन जोस अर्थक्वेक्स के एडुआर्ड लोवेन फाइनलिस्ट हैं। न्यूकमर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए गिलहर्मे, आरलैंडो सिटी के एंटोनी ग्रीजमैन और स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के आंद्रे लुइज के बीच मुकाबला होगा।

एशियाई चैंपियंस ट्राफी से पहले भारतीय महिला हाकी टीम में मजबूत बेंच तैयार करने पर शोर्ड मारिन का जोर

मुख्य कोच बोले- खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करना है लक्ष्य, युवा प्रतिभाओं को भी मिलेगा मौका

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन का लक्ष्य आगामी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी भोपाल 2026 से पहले टीम में अधिक गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धा विकसित करना है। तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होने वाले इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी। उसे चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया की चुनौती का सामना करना है।

जापान में एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम एक और महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की तैयारी में जुटी है। इस दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करने और उभरती प्रतिभाओं को खुद को साबित करने का अवसर देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

हाकी इंडिया को दिए साक्षात्कार में मारिन ने कहा कि टीम का मुख्य ध्यान अपने खेल में सुधार करने और अभ्यास के दौरान हासिल की गई प्रगति को प्रतियोगिता के दबाव में भी बरकरार रखने पर है।

राष्ट्रीय शिविर में किए गए काम के बारे में पूछे जाने पर मारिन ने कहा, हम टीम में अधिक गहराई तैयार करने में जुटे हैं, जिससे अभ्यास सत्र भी ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। खिलाड़ी भी इस बात को समझते हैं। इसलिए वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हैं और बहुत मेहनत कर रही हैं।

भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में नए स्टेडियम और नई पिच पर खेलने की चुनौती को लेकर उन्होंने कहा, यह सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की बात है। हम पूरे साल अलग-अलग पिचों पर खेलते हैं और यह भी वैसा ही बदलाव होगा। एशियाई खेलों में पिच काफी कठिन और ऊबड़-खाबड़ थी। इसलिए हम इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। विरोधी टीमों को भी इन्हीं परिस्थितियों से गुजरना होगा। इसलिए यह हमारी चिंता का विषय नहीं है।



टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर आजमाने की योजना पर मारिज्ने ने कहा, इसका उद्देश्य टीम में अधिक गहराई तैयार करना है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी अलग-अलग पोजिशन पर खेल सकें। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाती है, विशेषकर ओलंपिक जैसे टूर्नामेंट में, तो यह काफी मददगार साबित होता है। साथ ही खिलाड़ियों के विकास के लिए भी यह बहुत उपयोगी है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, ईशिका सामान्य तौर पर स्ट्राइकर के रूप में खेलती हैं, लेकिन अब कभी-कभी मिडफील्डर की भूमिका भी निभा रही हैं। रुतुजा (दादासो पिसाल) के साथ भी ऐसा ही है। उन्हें दूसरी पोजिशन पर खेलने के लिए खुद को ढालना सीखना होगा। हम देखना चाहते हैं कि इससे हमारी खेल रणनीति और टीम में किए जाने वाले सुधारों को कितनी मदद मिलती है।

मारिन ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को भी इस टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, पूजा (साहू) जैसी युवा खिलाड़ी को मौका मिलेगा। ज्योति सिंह पहली बार टीम के साथ होंगी और मुमताज भी लंबे समय बाद वापसी कर रही हैं। मुझे लगता है कि इन सभी के लिए यह अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा मंच है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चीन सहित उन्हीं मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने की चुनौती पर मारिन ने कहा, आप कभी नहीं जानते कि दूसरी टीमें किस तरह की टीम लेकर टूर्नामेंट में आएंगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात वही है, जिस पर मैं पूरे साल जोर देता रहा हूं और इस टूर्नामेंट में भी हमारा ध्यान उसी पर रहेगा। हमें खुद पर ध्यान देना है, यह देखना है कि एशियाई खेलों के बाद हमें किन क्षेत्रों में सुधार करना है और हम क्या बेहतर कर सकते हैं। हमारा मुख्य ध्यान इसी पर है। इसके बाद विरोधी टीम कोई भी हो, इससे फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने आगे कहा, हमने बेंगलुरु के शिविर में इन पहलुओं पर काम किया है और अब समय है कि देखा जाए कि खिलाड़ी टूर्नामेंट के दबाव में कैसा प्रदर्शन करती हैं। आगामी एफआईएच प्रो लीग को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों की तैयारी पर मारिन ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में होने वाले टूर्नामेंट के कार्यक्रम के आधार पर आगे की योजना बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि खिलाड़ी दिसंबर और जनवरी में कौन से टूर्नामेंट खेलेंगी। मैं चाहता हूं कि वे मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा रहें, उन्हें पर्याप्त आराम मिले, लेकिन वे तैयार भी रहें। हाकी इंडिया लीग जैसे टूर्नामेंट के बाद छोटे ब्रेक के तुरंत बाद फरवरी में अर्जेंटीना और जर्मनी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा।

ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए



बेंगलूर

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हो गये हैं। ऋषभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। जिसके बाद ही उनके टेस्ट सीरीज में खेलने का रास्त साफ हुआ। ऋषभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है।

वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनआफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावजूद, ऋषभ ने सेंटर आफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुजरे, जो किसी भी खिलाड़ी की गेम फिटनेस को परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकपर के टीम से जुड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं।

हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लाट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपिर पहले से ही उपलब्ध हैं। केएल राहुल जहां टीम के लिए ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाजी फार्म शानदार रही है, वहीं जुरेल ने हालिया अनआफिशियल टेस्ट सीरीज में प्रभावित है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम ग्यारह में उनके , राहुल और जुरेल में से किस खिलाड़ी को जगह मिलती है।

टेस्ट सीरीज के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित प्रमुख खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ-साथ केएल राहुल और अंशुल कंबोज जैसे प्रमुख खिलाड़ी इसी कारण अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हैं।

अर्शदीप और माडल समरीन की सगाई : एक नए सफर की शुरुआत



वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभिनेत्री और माडल समरीन कौर के साथ सगाई की है। से दोनो ही लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अब इस जोड़े ने अपनी जिंदगी के इस नए अध्याय की शुरुआत कर दी है, जिसपर प्रशंसकों ने इन दोनो को बधाइयां दी हैं। इस जोड़े ने अपने प्रशंसकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, इसमें अर्शदीप घुटनों के बल बैठकर समरीन को शादी के लिए प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में समरीन की शानदार हीरे की अंगूठी भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जिसे उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार किया। इस खूबसूरत पल का जश्न दोनो ने एक-दूसरे को गले लगाकर मनाया, जो उनके गहरे प्यार और साथ की मजबूत नींव को दर्शाता है। अपनी पोस्ट के साथ ही इस जोड़े ने लिखा था, जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उनमें से सबसे अच्छी बात यह है कि उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया। जीवन भर साथ रहने के लिए। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर साझा की गई, इस जोड़े को बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। प्रशंसकों और दोस्तों ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बुडापेस्ट फास्ट क्लासिक में कारुआना और नीमन की लगातार दो जीत, असौबायेवा ने एरिगैसी को हराया

दूसरे दिन 24 में से 13 बाजियों के निकले निर्णायक परिणाम, अलीरेजा फिरोजा ग्रुप ए और फैबियानो कारुआना ग्रुप बी में शीर्ष पर



बुडापेस्ट

अमेरिका के फैबियानो कारुआना और हंस मोके नीमन ने बुडापेस्ट में जारी टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के दूसरे दिन अपनी दोनों बाजियां जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, उज्बेकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराकर दिन का बड़ा उलटफेर किया।

दूसरे दिन तीसरे और चौथे दौर में कुल 24 में से 13 बाजियों के निर्णायक परिणाम निकले। पहले दिन की तुलना में यह तीन अधिक था। प्रतियोगिता के इस प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो बाजियां खेलनी होती हैं, जिनमें रंग बदल जाते हैं। जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए जाते हैं। दोनों बाजियां जीतने के कारण कारुआना और नीमन ने छह-छह अंक हासिल किए।

ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा आठ अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ग्रुप बी में कारुआना 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। ग्रुप सी में इयान नेपोमनियाची और हाइक मार्टिरोस्यान छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रुप डी में नीमन ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ आठ अंकों पर बराबरी कर ली है।

ग्रुप ए : फिरोजा ने बनाई बढ़त – ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा ने जार्डन वान फारेस्ट के खिलाफ सफेद मोहरों से लंबी बाजी जीत ली, जबकि दूसरी बाजी ड्रा रही। इस प्रदर्शन से फिरोजा को चार अंक मिले और वह कुल आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। जान-क्रिस्टोफ डूडा उनसे एक अंक पीछे हैं। डूडा और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच दोनों बाजियों में जीत का आदान-प्रदान हुआ। डूडा ने पहली बाजी जीती, जो दिन की सबसे लंबी बाजी रही। इसके बाद अब्दुसत्तोरोव ने दूसरी बाजी जीतकर हिसाब बराबर कर लिया। दोनों को तीन-तीन अंक मिले। डूडा के सात और अब्दुसत्तोरोव के चार अंक हैं। लेवोन एरोनियन और एंड्रयू होंग के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। एरोनियन के पांच और होंग के तीन अंक हो गए हैं। वान फारेस्ट के खाते में चार अंक हैं।

ग्रुप बी : कारुआना की दोहरी जीत – ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने एक मोहरा बलिदान कर काले मोहरों से खेल रहे प्रतिद्वंद्वी की रक्षा को कमजोर किया और आसानी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से भी दूसरी बाजी जीत ली। दोनों जीत से कारुआना के कुल 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने दूसरे स्थान पर मौजूद लियेम ले पर दो अंकों की बढ़त बना ली है। लियेम ले ने विंसेंट कीमर के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ चार अंक हासिल किए। उन्होंने सफेद मोहरों से कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। ले के आठ अंक हैं, जबकि कीमर तीन अंकों पर हैं। रिचर्ड रापोर्ट और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों के तीन-तीन अंक हैं। प्रज्ञानानंद दो अंकों पर बने हुए हैं।

ग्रुप सी : मार्टिरोस्यान ने की वापसी, कार्लसन की चौथी बाजी भी ड्रा – ग्रुप सी में हाइक मार्टिरोस्यान ने अनिश गिरि के खिलाफ पहली बाजी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। गिरि ने सफेद मोहरों से खेलते हुए महज 26 चालों में जीत हासिल की, लेकिन मार्टिरोस्यान ने वापसी की बाजी सफेद मोहरों से जीत ली। इस तरह मार्टिरोस्यान के छह अंक हो गए और वह इयान नेपोमनियाची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए। गिरि के पांच अंक हैं। नेपोमनियाची और शाखरियार मामेद्यारोव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों खिलाड़ियों को दो-दो अंक मिले और मामेद्यारोव के कुल पांच अंक हो गए।

केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा, बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर विकल्प

नई दिल्ली

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेआफ में जगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीज रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया।

आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीज करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेज का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीज करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही



सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें जरूर रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों को रिलीज करने से आपके पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हो जाएंगे।

रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा, रिंकू को कप्तान बना दीजिए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना तो अब उन्हें कप्तान बना दीजिए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी जिम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह वैसा ही मौका है, बशर्ते नीलामी में आपको कोई दूसरा उपयुक्त खिलाड़ी न मिल जाए। अगर कोई और विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ियों की तरफ देखने के बजाय मैं वास्तव में रिंकू को कप्तानी सौंपना पसंद करूंगा।

चोपड़ा ने रमनदीप सिंह और उमरान मलिक के भविष्य पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं चार करोड़ रुपये के रमनदीप सिंह को लेकर थोड़ा चिंतित हूं। उनका बिल्कुल इस्तेमाल नहीं हो रहा है और यह मेरे लिए चिंता का विषय है। अगर मैं उन्हें खिलाने वाला नहीं हूं और वह अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर रहे हैं, तो क्या मुझे किसी दूसरे विकल्प की तरफ जाना चाहिए मुझे पता है कि यह सिर्फ चार करोड़ रुपये हैं, लेकिन इस पैसे का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। उमरान मलिक पर उन्होंने कहा, एक अन्य खिलाड़ी उमरान मलिक हैं। क्या केकेआर उन्हें रिलीज करेगी उनकी कीमत केवल 75 लाख रुपये है, लेकिन उन्हें खिलाया नहीं जा रहा है। अगर आप उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं, तो उमरान के हित में मैं कहूंगा कि उन्हें रिलीज कर दीजिए। इस लड़के के लिए आपको बुरा लगता है, क्योंकि उनमें काफी क्षमता है। फिर उन्हें बेंच पर क्यों बैठाए रखना अगर आप उन्हें नहीं खिला सकते और हर्षित उपलब्ध हैं, तो इस खिलाड़ी को जाने दीजिए और कहीं दूसरी जगह खेलने दीजिए।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू



पटना (हि.स.)। लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत और अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण है। इस पर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना की जाती है। खास बात यह है कि छठ पूजा में उगते सूर्य के साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। यही वजह है कि इस पर्व को प्रकृति और सूर्य उपासना से जुड़ा सबसे खास त्योहार माना जाता है। छठ पूजा के पहले दिन नहाय-खाय का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रती सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और घर की साफ-सफाई के बाद पूजा की तैयारियों में जुट जाते हैं। भोजन बनाने के लिए विशेष सावधानी बरती जाती है। पारंपरिक रूप से इस दिन लौकी की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल का भात बनाया जाता है। भोजन सात्विक तरीके से तैयार किया जाता है और सबसे पहले व्रती इसे ग्रहण करते हैं। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य प्रसाद स्वरूप भोजन करते हैं। नहाय-खाय के साथ ही व्रतियों के लिए खानपान और दिनचर्या से जुड़े कई नियम शुरू हो जाते हैं। छठ पूजा में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, चूल्हे और सामग्री को साफ रखा जाता है। छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना पर्व होता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को स्नान करने के बाद भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। इसके बाद गुड़ की खीर, रोटी और अन्य पारंपरिक प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद व्रती खरना का प्रसाद ग्रहण करते हैं और परिवार के लोगों के बीच भी इसे वितरित किया जाता है। खरना के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत की शुरुआत होती है। इस दौरान व्रती अन्न और जल दोनों का त्याग करते हैं। छठ पूजा की यह सबसे कठिन परंपराओं में से एक मानी जाती है। छठ महापर्व के तीसरे दिन यानी षष्ठी तिथि को संध्या अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं। शाम के समय परिवार के सदस्य पूजा की सामग्री लेकर नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे बने घाटों पर पहुंचते हैं। वहां पानी में खड़े होकर व्रती डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस दौरान बांस के सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना, अदरक, हल्दी और अन्य पारंपरिक पूजन सामग्री सजाई जाती है। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती है। दीपों की रोशनी और भक्तों की भीड़ से पूरा माहौल भक्तिमय हो जाता है। छठ महापर्व के अंतिम दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। व्रती सूर्योदय से पहले ही घाटों पर पहुंच जाते हैं और भगवान भास्कर के उदय होने का इंतजार करते हैं। सूर्य की पहली किरण के साथ उन्हें अर्घ्य अर्पित किया जाता है। इसके बाद व्रती पूजा संपन्न कर पारण करते हैं। इसी के साथ करीब 36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत समाप्त हो जाता है। पटना में 15 नवंबर को सूर्यास्त का समय लगभग शाम 5:01 बजे और 16 नवंबर को सूर्योदय का समय सुबह 6:07 बजे है। अलग-अलग शहरों में सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर हो सकता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले प्रवासी बिहारी भी छठ पूरे उत्साह से मनाते हैं। कई जगहों पर स्थानीय स्तर पर घाटों को सजाया जाता है और साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए जाते हैं।

पूर्णिया में छठ की तैयारी, 114 घाट चिह्नित 11 संवेदनशील घाटों पर विशेष सुरक्षा



पूर्णिया। लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। घाटों की सफाई से लेकर वहां तक पहुंचने वाले रास्तों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बिजली, सुरक्षा और वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी अंशुल कुमार खुद विभिन्न छठ घाटों का लगातार निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिले में प्रशासन ने कुल 114 छठ घाटों को चिह्नित किया है। इनमें 11 घाट संवेदनशील श्रेणी में रखे गये हैं। इन घाटों पर विशेष निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। नदियों और तालाबों में श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। साथ ही जरूरी निर्देश वाले सूचना पट्ट भी लगाये जाएंगे। प्रमुख घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के अलावा एसडीआरएफ, गोताखोर और सिविल डिफेंस कर्मियों की तैनाती होगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने पूर्णिया सदर, बनमनखी, धमदाहा और बायसी अनुमंडल में एसडीआरएफ टीम तैनात करने के आदेश दिये हैं। टीमों को मोटर बोट और जीवन रक्षक उपकरणों के साथ राहत एवं बचाव कार्य के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा के साथ श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। प्रमुख छठ घाटों पर कंट्रोल रूम, मेडिकल टीम और पुलिस बल की व्यवस्था की जा रही है। विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए माइकिंग की भी व्यवस्था होगी। एडीएमओ आपदा प्रबंधन प्रणव कुमार ने बताया कि जिले की सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर सामान्य है। इसके बावजूद सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरती जा रही है। संवेदनशील 11 घाटों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इस बार पूर्णिया में छठ महापर्व को भव्य रूप देने की तैयारी है। शहर की मुख्य सड़कों, चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों से छठ गीतों का प्रसारण किया जा रहा है। शहर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जा रहा है। वहीं, छठ घाटों पर भी आकर्षक सजावट की जा रही है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग करने और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। किसी विशेष परिस्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क करने को कहा गया है।

छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

नई दिल्ली (हि.स.)। छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और देश के पूर्वी हिस्सों की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 12 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 33 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और दो अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। नई दिल्ली से 11, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया गया। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 26 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित है। इनमें नई दिल्ली से 11, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अलावा यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी। उपाध्याय ने बताया कि 14 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से 25 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन प्रस्तावित है।

सत्यमेव जयते

75TH KARBI ANGLONG DAY
PLATINUM JUBILEE CELEBRATION

KARBI ANGLONG AUTONOMOUS COUNCIL · Justice-Equality-Service · ESTD. 1952 · DIPHU

15th - 17th November 2026 | Karbi People's Hall, Taralangso, Diphu

GUINNESS WORLD RECORD ATTEMPT
A spectacular presentation of the Largest Karbi Folk Dance, featuring 15,000 participants on 16th November at KASA Stadium, Diphu

CULTURAL NIGHTS & MUSICAL EXTRAVAGANZA:

- **15th Nov (5:00 PM onwards): Khorsing Terang Cultural Night** at Rangsina Sarpo Ahongjai, KPH, Taralangso. Local bands followed by acclaimed rock band **Girish & The Chronicles and Meg & the Miracles.**
- **16th Nov (5:00 PM onwards): Semson Sing Ingti Cultural Night** featuring live musical performance by Mumbai-based Grammy-nominated Bollywood singer **Shilpa Rao.**
- **17th Nov (5:00 PM onwards): Sarsing Teron (Langkung Habe) Cultural Night.**



Dr. Tuliram Ronghang
HON'BLE CHIEF EXECUTIVE MEMBER, KAAC &
HON'BLE MLA, 111 RONGKHANG (ST) LAC



Sri Amarsing Tisso
HON'BLE MEMBER OF PARLIAMENT,
6-DIPHU (ST) PARLIAMENTARY CONSTITUENCY

75 YEARS OF LEGACY, UNITY AND PROGRESS

KARBI ANGLONG DAY 2026
TOGETHER TO THE FUTURE

IPRD/KAAC/2026-27/VBS/150

ISSUED BY IPRD, KAAC, DIPHU

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**